



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 22] नई दिल्ली, शनिवार, जून 3, 1978 (ज्येष्ठ 13, 1900)
No. 22] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 3, 1978 (JYAISTHA 13, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 अप्रैल 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (1)—इस कार्यालय की तबसंख्यक अधिसूचना दिनांक 10-4-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० आर० बसरा को, राष्ट्रपति द्वारा 15-4-78 से 12-5-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आवेदों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (2)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० वी० माथुर को, राष्ट्रपति द्वारा 24-4-78 से 9-6-78 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आवेदों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (3)—इस कार्यालय की तबसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27-3-78 के अनुक्रम में,
1-96 GI/78

संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० के० मांगो को, राष्ट्रपति द्वारा 16-4-78 से 31-5-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आवेदों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (4)—इस कार्यालय की तबसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27-3-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आई० जे० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 30-4-78 से 31-5-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आवेदों तक, जो भी पहले हो, उक्त अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (5)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० नटराजन को, राष्ट्रपति द्वारा 13-4-78 से 31-5-78 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आवेदों तक, जो भी

पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (6)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27-3-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० डयाल को, राष्ट्रपति द्वारा 16-4-78 से 31-5-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (7)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री ओ० पी० गुप्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 8-5-78 से 30-6-78 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रभात नाथ मुखर्जी
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 12 मई 1978

सं० एफ० 2/18/78-स्था० (सी० आर० पी० एफ०) (पर्स-2)—राष्ट्रपति, पुलिस उप अधीक्षक, श्री एच० सी० सूद को 7-7-77 से 10-1-78 तक जब कि वह आई० सी० एफ० एस०, गृह मंत्रालय में प्रतिनियुक्ति पर थे, सहायक कमान्डेंट के रैंक में प्रोफोर्मा पदोन्नति की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

उपयुक्त पदोन्नति की सी० आर० पी० एफ० में पुलिस उप अधीक्षक की ग्रेडेशन सूची को अन्तिम रूप दिए जाने पर समीक्षा की जा सकेगी।

च० चक्रवर्ती
निदेशक

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 16 मई, 1978

सं० ओ०-दो-1080/78-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी अशोक कुमार जैन ग्रुप सेंटर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल बन्तालाब, जम्मू का त्यागपत्र दिनांक 8-2-78 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

दिनांक 17 मई 1978

सं० ओ०-दो-116/71-स्थापना—श्री ओ० पी० बाली, भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी ने महाराष्ट्र राज्य में प्रत्या-

वर्तन के फलस्वरूप 1 मई, 1978 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 बटालियन में कमान्डेंट के पद का कार्य-भार छोड़ा।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 21 अप्रैल 1978

फा० सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/75 दिनांक 14-9-76 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आये श्री आर० के० मेहरोत्रा, सहायक अभियन्ता (विद्युत्) की नियुक्ति दिनांक 28-10-77 (पूर्वाह्न) से एक वर्ष के लिए बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में मानक प्रतिनियुक्ति शर्तों के आधार पर निरन्तर की जाती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/23/77 दिनांक 13-7-77 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आये श्री एन० जी० किबे, लेखा अधिकारी की नियुक्ति दिनांक 1-2-78 से 24-3-78 तक बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में मानक प्रतिनियुक्ति शर्तों के आधार पर निरन्तर की जाती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/23/77 दिनांक 15-1-78 के अनुक्रम में श्री एस० के० माथुर, उप-नियन्त्रण अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति दिनांक 19-4-78 (पूर्वाह्न) से 3 माह की अवधि तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो निरन्तर की जाती है।

दिनांक 10 मई 1978

नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/78—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/76/75 दिनांक 20-2-77 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आये श्री एन० एन० अग्रवाल, सहायक अभियन्ता (वातानुकूलन) की प्रतिनियुक्ति की अवधि दिनांक 23-12-77 से वर्तमान प्रतिनियुक्ति शर्तों के आधार पर एक वर्ष के लिए और बढ़ाई जाती है।

नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री बी० सम्पत गिरी, स्थाई कनिष्ठ पर्यवेक्षक (वातानुकूलन) को बैंक मुद्रणालय, देवास में रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में स्थापना सहायक अभियन्ता (वातानुकूलन) के पद पर दिनांक 2-5-1978 (पूर्वाह्न) से नियमित रूप से अन्य आदेशों तक, पदोन्नत किया जाता है।

पी० एस० शिवराम
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक—महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 मई 1978

सं० 608-सी०ए० 1/397-69—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय द्वारा श्री एम० एल० मलिक लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) का इन्स्ट्रुमेंटेशन लि० कोटा में तारीख 20-1-1977 से स्थायी रूप से खपाया जाना संस्वीकृत किये जाने पर, अपर उप-नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने सरकारी सेवा से उनका त्याग पत्र उसी तारीख से स्वीकार कर लिया है।

सं० 609-सी०ए०-1/61-71—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय द्वारा श्री टी० आर० आहूजा, लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) को हिन्दुस्तान पेपर कारपोरेशन लि० में तारीख 8-6-1976 से स्थायी रूप से खपाया जाना संस्वीकृत किये जाने पर, अपर उप-नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने सरकारी सेवा से उनका त्याग पत्र उसी तारीख से स्वीकार कर लिया है।

सं० 610-सी०ए०-1/373-69—अपर उप-नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री एम० सुब्बाराव, प्रशासन अधिकारी (वाणिज्यिक) को मूल नियमावली 56-(ट) के उपबन्ध के अधीन तारीख 12-3-1978 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से स्वैच्छापूर्वक सेवानिवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

सुशील देव

संयुक्त निदेशक (वाणिज्यिक)

महालेखाकार कार्यालय कर्नाटक

बंगलूर, दिनांक 4 मई 1978

सं० स्था० 1/ए० 4/78-79/81—महालेखाकार, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी/स्थानापन्न अनुभाग अधिकारियों को उनके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, अगले आदेश जारी होने तक लेखा अधिकारी पद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से केवल अस्थायी रूप से पदोन्नत करते हैं।

1. श्री बी० रत्नम्
2. श्री एम० ए० राजगोपालन्

एम०ए० सौन्दरराजन्

वरिष्ठ उप महालेखाकार
प्रशासन

महालेखाकार का कार्यालय, उड़ीसा

भुवनेश्वर, दिनांक 4 अप्रैल 1978

सं० ओ० ओ० सी० 9—उस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री डी० एन० विश्वाम की नियुक्ति महालेखाकार, उड़ीसा द्वारा कार्यवाहक लेखा अधिकारी के रूप में पूर्वाह्न

दिनांक 3-4-78 से नये आदेश होने तक रु० 840-40-1000-द० अवरोध-40-1200 के वेतनमान पर की जाती है। उनकी पदोन्नति वरिष्ठों के दावे के प्रति बिना पक्षपात किए की जाती है।

रा० श० शर्मा

वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 12 मई 1978

सं० स्थापना /हक्रदारी/6/10-3—महालेखाकार का कार्यालय, केरल तिरुवनन्तपुरम के लेखा अधिकारी श्री पी० के० बालकृष्णन नायर अधिवर्षता प्राप्त होने के कारण 30 अप्रैल 1978 अपराह्न को सेवा निवृत्त हो गये।

आर० के० ए० सुब्रह्मण्यम्,
महालेखाकार

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 15 मई 1978

सं० स्थापना प्र० 7/9-86/खण्ड 11/46—नीचे बताये स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा और लेखापरीक्षा) को लेखा अधिकारियों के रूप में स्थानापन्न होने हेतु प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से अगले आदेशों तक नियुक्त करने के लिए महालेखाकार केरल संतुष्ट हुए हैं:—

1. श्री पी० गोविन्दन नायर 11-5-78 (पूर्वाह्न)
2. श्री टी० राधाकृष्णन 11-5-78 (पूर्वाह्न)
3. श्री जी० महादेवन 11-5-78 (पूर्वाह्न)

सं० स्थापना प्र० 7/9-86/खण्ड II/46—महालेखाकार, केरल ने इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी सर्वश्री के० के० महबूब अली और के० के० रविचर्मन नम्ब्यार को जो वर्तमान में यथाक्रम केरल शिपिंग कार्पोरेशन लिमिटेड, कोची और मुख्य इंजीनियर, पी० एच० ई० डी० का कार्यालय तिरुवनन्तपुरम में प्रतिनियुक्ति पर हैं, इस कार्यालय में लेखा अधिकारियों के रूप में स्थानापन्न होने हेतु "अगले निचले नियम" के अधीन 11-5-78 पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नियुक्त किया है।

एस० जयरामन

उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1978

सं० ए० प्रशासन/130/75-78—निदेश लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं अधीनस्थ लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री पी० पी० मिश्र को लेखा परीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवाएं, कार्यालय

जालंधर में दिनांक 14/4/78 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में, अगले आदेश तक, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जी० दवारकानाथन
वरिष्ठ उपनिदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक,

नई दिल्ली-110022, दिनांक 10 मई 1978

सं० 4771/प्रशा०-II —राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के एक अधिकारी श्री सी० पी० रामचन्द्रन को रक्षा लेखा महानियंत्रक के रूप में दिनांक 1 मई, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

वी० एस० भीर
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्बनेस फैक्टरियां

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा,

कलकत्ता, दिनांक 4 मई 1978

सं० 7/78/ए०/ई०-1—डी० जी० ओ० एफ० निम्नलिखित स्थाई सहायकों को, सहायक स्टाफ अफसर (समूह 'ख' राजपत्रित) के पद पर, स्थानापन्न रूप में, वरिष्ठता पर बिना प्रभावित हुए प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी आदेश होने तक पदोन्नत करते हैं।

- | | |
|-------------------------------|----------|
| (1) श्री हीरेन्द्र नाथ चौधरी— | 3-4-1978 |
| (2) श्रीमती लक्ष्मी मेनन | 3-4-1978 |
| (3) श्री सनत कुमार सिन्हा | 3-4-1978 |
| (4) श्री निरोद रज्जन राय | 3-4-1978 |

सं० 8/76/ए०/ई०-1—डी० जी० ओ० एफ० निम्नलिखित स्थायी सहायकों को, सहायक स्टाफ अफसर (समूह 'ख' राजपत्रित) के पद पर, स्थानापन्न रूप में, वरिष्ठता पर बिना प्रभावित हुए, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी आदेश होने तक पदोन्नत करते हैं :—

- | | |
|--------------------------------|----------|
| (1) श्री सुरेन्द्र नाथ विश्वास | 3-4-1978 |
| (2) श्री अमल कुमार साहा | 6-4-1978 |

सं० 9/78/ए०/ई०-1—डी० जी० ओ० एफ० निम्नलिखित स्थायी स्टैनोफाफर ग्रेड-II स्थानापन्न सहायकों को सहायक स्टाफ अफसर (समूह 'ख' राजपत्रित) के पद पर, स्थानापन्न रूप में, वरिष्ठता पर बिना प्रभावित हुए, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी आदेश न होने तक पदोन्नत करते हैं :—

- | | |
|--------------------------|----------|
| (1) श्री सुधांशु बनर्जी | 3-4-1978 |
| (2) श्री विश्वनाथ डे | 3-4-1978 |
| (3) श्री निरन्जन गुहाराय | 3-4-1978 |

दिनांक 6 मई 1978

सं० 10/78/ए०/ई०-1—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री सुधीर चन्द्र वास, स्थानापन्न ए० एस० ओ० मौलिक एवं स्थायी सहायक, दिनांक 30-4-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 11/78/ए०/ई०-1—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री हीरेन्द्र नाथ चौधरी, स्थानापन्न ए० एस० ओ० । मौलिक एवं स्थायी सहायक दिनांक 30-4-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती
सहायक महानिदेशक I प्रशासन-II,
नूते महानिदेशक, आर्बनेस फैक्टरियां

कलकत्ता-16, दिनांक 9 मई 1978

सं० 17/78/जी०—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर, श्री ओ० रंगो, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक स्टोर होल्डर) दिनांक 28-2-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक, आर्बनेस फैक्टरियां.

वार्णिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1978

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

सं० 6/100/55-प्रशा० (राज०)/3275— राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बंबई में श्री के० जयरमण, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को 4 जनवरी, 1978 के दोपहर पूर्व से अगला आदेश होने तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. यह इस कार्यालय की समसंख्यक दिनांक 2-3-1978 की अधिसूचना का अधिभ्रमण करता है।

का० वें० शोषाद्रि
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

पूति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1978

सं० प्र०-6/76(4)/58/XV—राष्ट्रपति, पूति तथा निपटान महानिदेशालय के निरीक्षण स्कन्ध के निम्नलिखित अधिकारियों को

प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से निरीक्षण निदेशक (भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप 'U' के ग्रेड-I) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं —

क्रम सं०	नाम सर्वश्री	वर्तमान पद	पद जिस पर स्थायी हुए	स्थायी होने की तारीख	अभ्युक्तियां
1.	के० सी० दत्तगुप्त	निरीक्षण निदेशक (सेवा निवृत्त)	निरीक्षण निदेशक (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड-1)	21-11-73	21-11-72 अपराह्न से सेवा निवृत्त स्थायी निरीक्षण निदेशक श्री एम० आर० पटेल के स्थान पर।
2.	एल० एम० राय	—वही—	—वही—	4-1-74	4-1-73 के अपराह्न से सेवा निवृत्त स्थायी निरीक्षण निदेशक श्री डी० बी० चटर्जी के स्थान पर।
3.	डी० टी० गुरसहानी *	—वही—	—वही—	11-7-74	25-6-73 से उप महा० निदेशक (निरीक्षण) के पद पर स्थायी घोषित स्थायी निदेशक श्री पी० सी० कपूर के स्थान पर।
4.	जे० एल० छावड़ा	निरीक्षण निदेशक उ० नि० मंडल, नई दिल्ली।	निरीक्षण निदेशक (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड-1)।	12-7-74	8-7-73 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त स्थायी निदेशक श्री पी० के० अश्ववर्ती के स्थान पर।

सूर्य प्रकाश, उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूति तथा निपटान

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1978

सं० 2/5/68-एस० डी०—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री पी० डी० आचारी, लेखाकार, आकाशवाणी, पणजी को 28-4-78 (पूर्वाह्न) से, आकाशवाणी, पणजी में, श्री एन० सुब्रमन्यम, प्रशासनिक अधिकारी के स्थान पर, जो 28-4-78 से 1-7-78 तक 65 दिन के अवकाश पर है, प्रशासनिक अधिकारी के पद पर, तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न रूप में, नियुक्त करते हैं।

सी० जी० श्रीनिवासन
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सं० ए०-19025/78/78-प्र० तृ०—श्री कृष्ण कुमार सिंह सिरौही, वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय नई दिल्ली में दिनांक 20-4-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिए अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 15 मई 1978

सं० फाईल-ए०-35013/1/78-प्र०-III—एस० निदेशालय में सहायक विपणन अधिकारी श्री जी० जे० लुका द्वारा दिए गए त्यागपत्र को दिनांक 3-3-78 (अपराह्न) से सक्रम प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किया गया है।

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 12 मई 1978

सं० ए०-19025/66/78-प्र० तृ०—श्री एम० पी० सिंह, वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, नई दिल्ली में दिनांक 20-4-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिये अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया गया है।

सं० फाईल-ए०-19023/33/78-प्र०-III—श्री एन० सी० हलवर विपणन अधिकारी, को उनके द्वारा दिए गए त्यागपत्र की स्वीकृति के उपरान्त उन्हें स्वीकृत दिनांक 28-4-78 से 30-4-78 तक 3 दिन का अर्जित अवकाश व्यतीत होने के पश्चात् दिनांक 30-4-78 के अपराह्न से इस निदेशालय में उनके कार्यभार में उन्हें मुक्त समझा गया है।

सं० ए०-19024/5/78-प्र०-III—श्री चन्द्र प्रकाश, वरिष्ठ रसायनज्ञ, को दिनांक 18 अप्रैल 1978 (पूर्वाह्न) से क्षेत्रीय ऐगमार्क प्रयोगशाला, मद्रास में अल्पकालीन आधार पर 6 माह की अवधि के लिए या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में

से पहले जो भी घटित हो, स्थानापन्न रूप में मुख्य रसायनज्ञ नियुक्त किया गया है।

बी० पी० चाबला,
निदेशक, प्रशासन,
कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग
क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 8 मई 1978

संदर्भ : क्रम० नि० 41(2)/77-प्रशासन—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 28 फरवरी, 1978 के तारतम्य में, निदेशक, क्रय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, केन्द्रीय भंडार यूनिट ट्राम्पे में, निम्नलिखित भंडारियों को अग्रिम समय 30 जून, 1978 अथवा तब तक, प्रभावी सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

1. श्री मिहिर चन्द्र राय
2. श्री मुलिटपुरथ राजू
3. श्री वसन्त यशवन्त गोखले

दिनांक 10 मई 1978

सं० क्र० म० नि० 2/1(1)/77-प्रशासन—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24 जनवरी, 1978 के तारतम्य में, निदेशक, क्रय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के मुख्य भंडारी, श्री वजीर चन्द को अग्रिम समय 30 जून, 1978 तक, इसी निदेशालय में सहायक भंडार अधिकारी पद पर कार्य करने हेतु, तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

वाया कोटा राजस्थान, दिनांक 15 मई 1978

सं० राप विप/भर्ती/9(20)/78/स्था०/460—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना इंजीनियर, परमाणु ऊर्जा विभाग के कार्यालय आदेश संख्या 7/27/75-सी० सी० एस० दिनांक 18-8-1977 के अन्तर्गत, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र से राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में पदस्थापित किए जाने पर, स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी श्री बी० पी० नाइक को इस परियोजना में स्थानापन्न रूप से कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी के ग्रेड (रु० 840-1200/-) में प्रशासन अधिकारी-II के पद पर, 24 अक्टूबर, 1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक के लिए, अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
हेतु मुख्य परियोजना इंजीनियर

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हेदराबाद-500016, दिनांक 12 मई 1978

सं० प० ख० प्र० 1/24/76-प्रशासन—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, एसद्वारा, श्री मुकुन्द सिंह, स्थायी सहायक को, परमाणु खनिज प्रभाग में, तदर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में, पूर्वाह्न, 24 अप्रैल, 1978 से अगले आदेश तक, नियुक्त करते हैं।

एस० रंगानाथन,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 26 अप्रैल 1978

सं० 1/80/78-स्था०—विकास व प्रशिक्षण अनुभाग, पुणे के स्थायी सहायक अभियंता, श्री डी० पी० राय का 4 मार्च, 1978 को देहावसान हो गया।

पु० म० दामले,
महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमाशुल्क समाहर्तलय

नागपुर 440001, दिनांक 9 मई 1978

सं० 6/78—श्री सु० बनर्जी, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-1, नागपुर की समाहर्ता के स्थापना आदेश क्रमांक 51/78, प० सं० 11(3)1/गोप०/78, दिनांक 11-4-1978 के अनुसार स्थानांतर होने पर उन्होंने सहायक समाहर्ता (मुख्यालय) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नागपुर के पद का कार्यभार, जो वे दिनांक 24-10-1977 से अस्थायी रूप से संभाल रहे थे, दिनांक 22-4-1978 के पूर्वाह्न से नियमित रूप से संभाल लिया।

2. श्री बी० एल० गांजापुरे, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-II, नागपुर अपने कार्यभार के अतिरिक्त सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-I, नागपुर का कार्यभार श्री सु० बनर्जी को अपने कार्यभार से मुक्त कर, दिनांक 20-4-1978 के अथवा तब तक से संभाल रहे हैं।

माधव परूलकर,
समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली-1, दिनांक मई 1978

सं०-9/78—श्री एम० एल० गुप्ता ने, जो हाल में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलय कानपुर में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'ख' के पद पर कार्य कर रहे थे, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के इलाहाबाद स्थित, उत्तर प्रादेशिक यूनिट में, श्री एस० एन० तिवारी के सेवा निवृत्त होने के कारण रिक्त हुए पद पर दिनांक 10-4-78 के

(पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप 'ख' के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सु० वैकटारामन,
निरीक्षण निदेशक

को दिनांक 1-1-78 से प्रारंभ चेतनमान में स्थायी किया जाता है।

म० रा० न० मूर्ति,
महाप्रबन्धक

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला

नई दिल्ली-12, दिनांक 18 मई 1978

सं० 25/1978—श्री ए० एच० एम० शन्य, सहायक रसायन परीक्षक, राजकीय अफीम व शराब कारखाना, अन्डरटेकिंग, गाजीपुर ने स्थानांतरण होने पर दिनांक 6-5-1978 (पू०) से उसी क्षमता से केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली-12 में कार्यभार संभाल लिया है।

केशव प्रसाद,
उप-मुख्य रसायनज्ञ,
केन्द्रीय राजस्व

निर्माण महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1978

सं० 33/12/73-ई० सी०-9—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री कबिनदरा नाथ सैकिया की केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600 रुपये (तथा सामान्य भत्ते) के वेतन मान में 1100/- रुपये प्रतिमास वेतन पर सामान्य सिविल सेवा ग्रुप-ए) नियुक्त करते हैं।

2. श्री सैकिया 6-4-78 पूर्वाह्न से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रखे जाते हैं।

कृष्ण कान्त,
प्रशासन उप-निदेशक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

महाप्रबन्धक (कार्मिक) का कार्यालय

पाण्डू, दिनांक 11 मई 1978

सं० ई०-55-III-94-भाग-III(0)—श्री एस० वैकटारामन, सिविल इंजीनियरी विभाग के अवर वेतनमान अधिकारी,

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ट्रीडेंट मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजिंग प्रा० लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1978

सं० 6867/8596—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर ट्रीडेंट मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजिंग प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हिमावरी फूड्स प्रा० लि० के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1978

सं० 6668/8598—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर हिमावरी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय
कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1978

निर्देश सं० आई० सी०/एक्यू०/1/130/सितम्बर-II/
77-78—अतः मुझे, जे० एस० गिल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसका संख्या 56, है तथा जो खप्पा मार्किट, लोदी
रोड, नई दिल्ली-110003 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, 8-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने से सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य भास्तिर्यों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कोरा मल अलियारा कोरालाल पुत्र श्री हिम्मत
राय निवासी दुकान नं० 56, खप्पा मार्किट लोदी रोड नई
दिल्ली 1 (अन्तरक)

2. श्री रतन लाल शर्मा पुत्र स० श्री किशना राम शर्मा
निवासी दुकान नं० 56 खप्पा मार्किट लोदी रोड नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक गवर्नमेंट द्वारा बनाई गई दुकान जो कि 28.7 वर्ग
गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बनी हुई है, जिसका नं० 56,
खप्पा मार्किट लोदी रोड नई दिल्ली है।

जे० एस० गिल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 18 मई 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/मितम्बर/127/77-78/569—अतः मुझे, जे० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या ई०-129 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-9-1977।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वाबन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2—96GI/78

1. श्री हेम चन्द पुत्र श्री सोहन लाल निवासी मकान नं० 3104, मोहला दामान होज काजी, दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री जगजीत राज बिज पुत्र स० श्री लचोक सिंह तथा श्रीमती प्रोमिला बिज पत्नी श्री जगजीतराज बिज निवासी 11/4, रजिन्दर नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्लोल्ड एक मंजिला मकान जो कि 250 वर्ग गज के प्लॉट पर बनी हुई है, जो नं० ई-129 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लॉट नं० ई-127

पश्चिम : प्लॉट नं० ई-131

उत्तर : सविस लेन

दक्षिण : रोड

जे० एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली:1

तारीख : 18 मई 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मई 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 36/78-79—यतः मुझे,
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-48/2 है, जो अमीरपेट में स्थित है
और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रारकर्ता कैरताबाद अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन सितम्बर 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई कितनी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी कितनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री जगदीश चन्दर भारी मैनेजर डनलाफ इंडिया
लीमिटेड पबलीक गार्डन रास्ता हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री अराबोलु अपलाराउ मैनेजर, आई० टी० सी०
बेनगनपली करनूल जिला (अन्तरिती)

3. श्री धनबन्त घर नं० 7-1-48/2 अमीरपेट हैदराबाद
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 7-1-48/2 राजासमकरनराहरेवा अमीरपेट
हैदराबाद रजिस्ट्री दस्ताविज नं० 2201/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय
कैरताबाद में

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-5-1978

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मई 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 37/78-79—यत. मुझे,
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट सर्वे नं० 174 है, जो नैजामगुडा
पनजागुडा में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रार कार्यालय, कैरताबाद
में भारतीय राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 29-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोध ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बी० वनजाकशी पती बी० नरसीम्मा रेड्डी
अदोनी करनूल-जिला (अन्तरक)

2. श्री के० लीनगारेड्डी पीता नरसीरेड्डी पसरामूलग
तालुक वरनगल जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शोध:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुल जमीन बीस्तेन 540.97 वर्ग यार्ड सर्वे नं० 174
नैजामगुडा पनजागुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2373/77
उपरजिस्ट्रार कैरताबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-5-1978
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मई 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 38/77-78—

यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-3-826, 827, 760, 761, 762 है, जो जनरल बाजार में स्थित है (और इस उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या पता लगा जा चुका था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

1. (1) श्री कैलासारमेशबाबु
(2) मास्टर कैलामा नागराज 1724 गन्जबजार
सीकन्द्राबाद (अन्तरक)

2. (1) श्री वीनरीश पीता श्रीगणा
(2) वी० सत्यानारायण न्यू बीडीगुडा, सीकन्द्राबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-3-826, 3-3-827, 3-3-760, 3-3-761, और 3-3-762 जनरल बाजार सीकीन्द्राबाद दस्तावेज नं० 1506/77 उपरजीस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-5-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मई 1978

सं० आर० सी० नं० 39/78-79—यतः मुझे के० एस०
बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भाग नं० 1 घर नं० 5-8-525 है, जो
चारागली लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 19-9-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में रही करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लक्ष्मी बाई पत्नी जरादीश परशदा घर
नं० 21-1-293 रीकाबगंज हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती मुमताज करन पति डा० एस० रूपकरन
3-5-812, "बजीरविला हैदरगुडा" हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 1 घर नं० भाग नं० 5-8-525 चौरागली लेन
हैदराबाद 33-68 वर्ग यार्ड रजिस्टर्ड दस्तावेज नं० 2556/
77 जाईट रजिस्ट्रार हैदराबाद में।

के० एस० बेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद।

तारीख 12-5-1978
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मई 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 40/78-79—यतः मुझे के० एस० वेकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भाग 4-8-40/2 और 3 है, जो गौलीगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कांडीगांटी रामचंदर घर नं० 4-2-7²³ रामकोटे हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री गंजी राजेशवर राउ 5-1-535 घासमन्डी सिकन्दाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बीस्टेन 363 वर्ग यार्ड घर का बीयारा नं० 4-8-40/2 और 3 रंगमहल रास्ता—गौलीगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2673/77 जांइट रजिस्ट्रार हैदराबाद में ।

के० एस० वेकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख 12-5-1978
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 49/78-79—यतः मुझे के० एस०

वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11-1-965 है, जो सीतारामबाग मल्लेपल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्रीमती सबीहा बेगम 2. बिलखोस इख्वाल 3. सैयद फाजेल 4. ताय्याबा हाशम 5. सादिख आफीफ और 6. मोहसीना आफीफ सब 11-1-963 के निवासी हैं जो सीतारामबाग हैदराबाद में स्थित है। (अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद जहागीर वल्द मोहम्मद हुसेन 14-1-310, सीतारामबाग हैदराबाद (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 11-1-965 जो सीताराम बाग, मल्लेपल्ली, हैदराबाद में स्थित है जिसका दस्तावेज संख्या 2282/77 जो रजिस्ट्री अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 16 मई, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 50/78-79—यतः सुते के० एस० बेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3-5-335/4 तथा 5 है, जो नारायण-गुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधि नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री शरन बिन यूसूफ अली (2) श्रीमती मोहम्मदी बेगम (3) आयेशा बेगम सभी अवयस्क हैं श्रीमती रबाब बेगम माता श्री छब्दा छब्दारा विराग अली गली, हैदराबाद। (अन्तरक)

2 श्री रमा वारणने दूर राम बाबू वारणने 2-2-647/182, सेट्रल एक्साईज कालोनी, नई नल्लाकुंटा हैदराबाद (अन्तरिती)

(3) मेसर्स लिकर्स एंटरप्राइसेस 3-5-335 नारायण-गुडा, हैदराबाद, (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राश्न—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मलगीयां नं० 3-5-335/4 ब 5, जो विटलवाडी, नारायण-गुडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका दस्तावेज सं० 2628/77 रजिस्ट्रि अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में दर्ज है।

के० एस० बेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक 16-5-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई 1978

सं० 51/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन प्लॉट है, जो मासब टयांक, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-9-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या धन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) डाक्टर श्रीमती फरजाना खुरेशी, मुख्तारनामादार श्रीमती सईफा खुरेशी, ए-क्लास क्वार्टर नं० 445 आगापूरा, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री सी० सत्यय्या पुत्र सी० अस्वातम्मा 3-5-804/2/3, किंग काटी, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा रही हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 599 वर्ग गज है जो मासब टयांक, हैदराबाद में स्थित है जिसका दस्तावेज संख्या 2159/77 जो रजिस्ट्री के अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में दर्ज है।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-5-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई 1978

सं० 52/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-661 है, जो सोमाजीगूडा, खैरताबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि 'यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. श्री पी० वी० नरसिम्हाराव जो होकीपारू, कृष्णा जिला के निवासी हैं श्रीमती आर० बुच्चम्मआई पत्नी श्रीरामलू नायडू श्रीराकडु, मद्रास-52 के निवासी हैं।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कोल्ली वसुमती पत्नी वेंकटेश्वर राव 6-3-661 सोमाजीगूडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 662 वर्ग गज है और जिसका नं० 6-3-661 जो सोमाजीगूडा हैदराबाद में स्थित है जिसका दस्तावेज संख्या 2244/77 जो रजिस्ट्री के कार्यालय, खैरताबाद में दर्ज है।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 मई 1978

सं० आर० ए० सी० सं० 53/78-79—यत् मुझे के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269(1)
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-107 है, जो नामपल्ली, हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन
सितम्बर 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी:—

1. श्री मीर अकबर सुल्तान बल्द स्वर्गीय मीर हुसैन
सुल्तान, घर नं० 5-8-107, नामपल्ली रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री अली भाई बल्द विरजी घर नं० 5-4-656 पुराना
कटटेल मण्डी, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-8-107 नामपल्ली रोड, हैदराबाद में स्थित है
जिसका दस्तावेज सं० : 2664/77 जो रजिस्ट्री के कार्यालय
हैदराबाद में दर्ज है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-5-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० एस० एन० एम० /39/77-78—अतः मुझे
नत्थू राम

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 96 कानाल 7 मरलाज है
तथा जो गांव : धर्मगढ़ छत्ता, तासील, सुनाम में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सुनाम, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री मेहरसिंह वासी गांव :
धर्मगढ़ नाम तासील : सुनाम (अन्तरक)

2. सर्व श्री (i) बलदेव सिंह (ii) सुखदेव सिंह (iii)
छोटा सिंह (iv) नाम देव सिंह पुत्रान श्री साधूसिंह वासी
गांव धर्मगढ़ छत्ता तासील सुनाम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 96 कानाल 7 मरला, और
जो गांव : धर्मगढ़ छत्ता तासील : सुनाम, में स्थित है।

जायदाद जैसा के रजिस्ट्रकरता अधिकारी के कार्यालय
सुनाम के विषेख नं० 1787 सितम्बर, 1977 दर्ज है।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 मई 1978

मोहर :

प्रकरण धार्मिक टी० एन० एस०—

धायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायक प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, धायक भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० एस० एम० एल०/34/77-78—अतः मुझे
नत्थू राम

धायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० स्वाध्या आश्रम थी महिला मंजिल है तथा
जो कि टेलवर हाऊस शिमला में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय धायक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धार्यातु:—

1. स्वामी प्रायाना नन्द सरस्वती स्वाध्या आश्रम
निवासी टेलवर हाऊस एस्टेट, शिमला-I (अन्तरक)

2. श्री शील चन्द पुत्र श्री नानक चन्द निवासी डी०-102,
डिफेंस कलोनी, न्यू दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप;—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शर्तों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्वाध्या आश्रम की पहली मंजिल जो कि टेलवर हाऊस
शिमला-I में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के
कार्यालय के विलेख नं० 544 सितम्बर 1977 में दर्ज
है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकार
सहायक धायक प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रज, लुधियाना

तारीख : 15 मई 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० एस० एम० एल०/38/77-78—अतः मुझे नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० स्वाध्या आश्रम का ग्राऊंड फ्लोर है तथा जो टेलवर हाउस शिमला-I में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्व आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्वामी प्राध्या नंद सरस्वती स्वाध्या आश्रम निवासी टेलवर हाउस एस्टेट, शिमला (अन्तरक)

2. श्री नानक चन्द पुत्र चौधरी शिव सरल दास निवासी डी-102, डिफेंस कलोनी न्यू दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अन्तरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राऊंड फ्लोर स्वाध्या आश्रम की जो कि टेलवर हाउस शिमला-I में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के कार्यालय के विलेख नं० 549 अक्तूबर 1977 में लिखा गया)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजेंन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 मई, 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० एन० बी० ए०/25/77-78—अतः मुझे नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० एक घर जिसका क्षेत्रफल 545 वर्ग गज है तथा जो मोती बाग, नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री धर्मेन्द्र राम वासी नाभा, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वे श्री (i) जसवंत रामे (ii) तेजवंत रामे (iii) भगवंत रामे पुत्र श्री बृध राम वासी नाभा जिला पटियाला। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वास्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

एक घर जिसका क्षेत्रफल 545 वर्ग गज है तथा जो मोतीबाग, नाभा जिला पटियाला 2 में स्थित है, आयदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के विलेख नं० 1346, अक्टूबर, 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-5-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० एन० बी० ए०/29/77-78—अतः मुझे नत्थू

राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 5 बिसवाज है तथा जो गांव : दोलदी तासील नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहिन्द सिंह पुत्र श्री अर्जन सिंह वासी : गृह : दोलदी तासील नाभा। (अन्तरक)

2. मैसरज नाथ मिलज, वासी गांव : दोलदी तासील नाभा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 5 बिसवाज है तथा जो गांव दोलदी तासील नाभा में स्थित है।

आयबाध जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाभा के विलेख नं० 1577 नवम्बर 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 मई 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० एन० बी० ए०/30/77-78—अतः मुझे नत्थू

राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 6 बिसवाज है तथा जो गांव : दोलदी, तासील : नाभा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थित :—
4-96GI/78

1. श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री अर्जन सिंह वासी गांव : दोलदी, तासील : नाभा ।
(अन्तरक)

2. मैसराज नाथ मिलज, वासी गांव : दोलदी, तासील : नाभा ।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 6 बिसवाज है तथा जो गांव : दोलदी तासील नाभा में स्थित है ।

जावेदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाभा के विलेख नं० 1578, नवंबर, 1977 में दर्ज है ।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 15 मई 1978 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० एम० बी० ए०/31/77-78—अतः मुक्त नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 5 बिसवाज है तथा जो गांव दोलदी तालील : नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1. श्री तेजा सिंह पुत्र श्री अरजन सिंह वासी गांव : दोलदी तालील; नाभा। (अन्तरक)

2. मैसूरल नाथ मिलज वासी गांव दोलदी तालील, नाभा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तालील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 5 बिसवाज है तथा जो गांव : दोलदी, तालील नाभा में स्थित है।

जायेदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख नं० 1626 दिसम्बर, 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 मई 1978

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० एम० बी० ए०/35/77-78—अतः मुझे नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 6 बिसवाज है तथा जो गांव : दोलदी तासील, नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुख्तियार सिंह पुर्व श्री अर्जुन सिंह वासी गांव दोलदी तासील : नाभा. (अन्तरक)

2. मैमरज नाथ मिलज वासी : दोलदी तासील : नाभा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुप्राप्त

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 6 बिसवाज है तथा जो गांव दोलदी तासील नाभा में स्थित है।

जायेदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाभा के बलेख नं० 1627 दिसम्बर 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 मई 1978
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० एन० बी० ए०/43/77-78—अतः मुझे
नत्थू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिघा 15
बिसवाज है तथा जो गांव : दोलदी तसील : नाभा, में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जनवरी 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269B को उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :--

1. (i) सर्व श्री सज्जन सिंह पुत्र श्रीमती नंद कौर (ii)
गुरदियाल सिंह (iii) बन्धन सिंह पुत्र बसंता सिंह और
ठाकुर सिंह वासी गांव दोलदी तसील : नाभा (अन्तरक)

2. सर्व श्री (i) तेलू राम पुत्र श्री कपूरी मल्ल (ii)
बिहारी लाल (iii) लाल चंद पुत्र श्री तेलू राम (अन्तरिती)
वासी दोलदी तसील : नाभा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिघा 15 बिसवाज है तथा
जो मलेरकोटला रोड, गांव : दोलदी तसील नाभा में
स्थित है।

जायेदादर जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के
विलेख नं० 1919 तारीख जनवरी, 1978 में दर्ज है।

नत्थू राम
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख 15 मई 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० एन० बी० ए०/34/77-78—अतः मुझे
नरथू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का क्षेत्रफल 15 बीघा 3 बिस्वा
है तथा जो कि गांव दुलदी, तहसील नाभा जिला पटियाला
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) भन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सर्व श्री 1. दर्शन सिंह 2. टाकुर सिंह पुत्र बलबीर
सिंह निवासी गांव दुलदी, तहसील नाभा, जिला पटियाला
(भन्तरक)

2. सर्व श्री

1. राम गोपाल, पुत्र बाबू राम निवासी पटियाला
2. सूरज भान पुत्र राम गोपाल निवासी पटियाला
3. कमला देवी पत्नी श्याम लाल निवासी नाभा
4. चन्दर कांता पत्नी जसवन्त राय निवासी नाभा
5. बिमला रानी पत्नी ओम प्रकाश निवासी नाभा
6. सन्तोषू कुमारी पुत्र शाम लाल निवासी नाभा
7. राजेश कुमार पुत्र शाम लाल निवासी नाभा

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का क्षेत्रफल 15 बीघा 3 बिस्वा, खेत नं०
134 भिन्न खतौनी नः 256, खसरा नं० 399 (2-18),
1670/400 (3-15), 401 (7-10) जो कि गांव
दुलदी तहसील नाभा जिला पटियाला में स्थित है।

(जायबाद जैसाकि रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी नाभा के
के कार्यालय के विलेख नं० 1601 दिसम्बर, 1977 में
दर्ज है)

नरथू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 मई 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 मई 1978

निर्देश सं० अ० इ० 2/2511-7/सितम्बर 77—अतः

मुझे जी० ए० जेम्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 21 हि० नं० 2 (अंश) प्लॉट नं० 20-21 का प्राइवेट टी० पी० एस० में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विलेपार्ले (पूर्व) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-9-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मंजुलाबेन चिमनलाल शेट और चिमनलाल प्रभुदास शेट (अन्तरक)

2. श्रीम चन्द्र मिलन को० आप० हाउ० सो० लि० (अन्तरिती)

3. 1. हरशद जगन्नाथ मनियार, 2. दिवालीबेन राजमल शाह
3. उत्तमचन्द्र छगनलाल मेहता 4. इश्वर चुनिलाल पटेल 5. आशा टी० पेटदार 6. मंजुलाबेन चिमनलाल शेट 7. हंसायशबन्त संघवी 8. भगवानदास विश्वनाथ गुप्ता 9. प्रानलाल हंसुखलाल पारिख 10. हंसा प्रानलाल पारिख 11. प्रवीन पोपटलाल शाह 12. जयागुरी बल्लभदास सिमरिया 13. प्रवीनचन्द बाबूलाल शाह 14. कांताबेन नगिनदास शाह 15. महेश अमृतलाल दोशी 16. कोटेक्स प्रा० लि० 17. यूनिवर्सल टेक्सटाइल प्रा० लि० 18. दीपक तुलसीदास 19. अजीत तुलसी-

दास 20. तुलसीदास कानजी 21. अरुणाबेन रमेश शाह 22. लिलिबेन रिखवदाम शाह 23. किकाभाई विठलदास शाह 24. श्रीमती माधुरी किकाभाई शाह 25. श्रीमती पुष्पावती हिमतलाल शाह 26. गिरधरलाल केशवदेव सुरेखा 27. श्रीमती कमला गिरधरलाल सुरेखा 28. अमरिशभाई एम० देसाई 29. दुलेराय एम० मुलानी 30. लक्ष्मीप्रसाद कालीदास 31. नटवरलाल मगनलाल 32. नेमीबेन मोतीचन्द क्षवरी 33. मेसर्स, अमृतलाल एंड कं० (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. मेसर्स, अमृतलाल एंड कंपनी, श्री अमृतलाल जादवजी संघवी, श्री मोहनलाल जादवजी संघवी, श्री गंगादास जादवजी संघवी, श्रीमती कुसुमबेन मनुभाई संघवी, श्रीमती स्मिता अमृतलाल जादवजी संघवी, (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग उस पर खड़ी बिल्डिंग सहित, जो रजिस्ट्री उप-जिला बंबई नगर व बंबई उप नगर में महात्मागांधी रोड, विलेपार्ले (पूर्व) में मौजूद पड़ा हुआ है, माप से 2560 (दो हजार पांच सौ साठ) वर्ग गज या 2150 (दो हजार एक सौ पचास वर्ग मीटर) के बराबर या उसके आसपास है, और जिसका सर्वे नं० 21, हिस्सा नं० 2 (भाग) व प्लॉट नं० 20-21, "पराजपे स्कीम" नाम की एक निजी टाउन प्लानिंग स्कीम का है और (क) इस प्रकार घिरा हुआ है, कि उत्तर में उसी स्कीम की प्लॉट नं० 22, सर्वे नं० 21, हिस्सा नं० 1 वाली जमीन दक्षिण में उसी स्कीम की सर्वे नं० 20-ए, हिस्सा नं० 1 व कृषि इतर सर्वे नं० 20-डी, क्रमशः प्लॉट नं० 12-ए-व 12-12-बी, वाली-जमीन पूर्व में उसी स्कीम की 24 फीट चौड़ा सड़क, और पश्चिम में उसी स्कीम की 16 फीट चौड़ी सड़क है, और यह परिसर "कलाकुंज" के नाम से जाना जाता है तथा "के" वार्ड नं० 1380 व 1381, स्ट्रीट नं० 42 व 43 महात्मागांधी रोड, के अधीन निर्धारित (असेस) होता है।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

तारीख 16 मई 1978

मोहर:

आरूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज हुबली हुबली

धरवार-4, दिनांक 12 मई 1978

निर्देश सं० 215/78-79/एम्बी—यतः मुझे डि० सि०

राजगोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एम० न० 2751 और 2752 है, जो रतनागिरि रोड, बसतनहल्ली, चिकमंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिकमंगलूर डाकमेंट नं० 1015 दिनांक 2-9-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री डा० बि० डा० पन्टो पुत्र बि० पन्टों, रतनागिरि रोड चिकमंगलूर (अन्तरक)

2. श्री डा० जे० पी० कृसने गौडा पुत्र श्री जे० पुट्टरवामी गौडा जीलधाल (पोस्ट) चिकमंगलूर (तालूक) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर० सि० सि० संखान और खुला मैदान जो बखनहल्ली डाकस्टेशन बिकमंगलूर, प्रविष्ट सं० 2751 और 2752 में स्थित है।

डि० सि० राजागोपालन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज धरवार

तारीख : 12 मई 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निवेश सं० ए० पी० 1780, —यतः मुझे बी० एस० दाहिया, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचि में है जो माडल टाऊन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री गिरधारी लाल, 443-आर०, माडल टाऊन, जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री सुरज प्रकाश तथा चांद प्रकाश पुत्र श्री हंस राज दावरा, 473 आर०, माडल टाऊन जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख न० 3789 सितम्बर, 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है

बी० एस० दाहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख 15 मई 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी० 1781—यतः मुझे बी० एस० दाहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचित है जो माडल टाऊन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 5—96GI/78

1. श्रीमती संत कौर पत्नि श्री प्रेम सिंह 516-एल०, माडल टाऊन, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री सरदार सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह, 270-न्यू जवाहर नगर, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसे अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानात है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 5131 नवम्बर 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है

बी० एस० दाहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 15-5-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी० 1782—यतः मुझे बी० एस० दाहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो न्यू क्लोनी, माडल टाऊन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बढ़ने में भुविदा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में भुविदा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री साधु सिंह, पुत्र श्री लाभ सिंह गांव तथा पोस्ट आफिस करयान, तहसील नवांशहर जिला जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह ए० डी० ए० मार्फत डी० आ० जी० सी० आई० सी० अंडीगड़ (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोस्ताक्षरी जानाता है कि वह सम्पत्ति में हितवन्त है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 4710 अक्टूबर 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है

बी० एस० दाहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15 मई 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश नं० ए० पी० 1783—यतः मुझे बी० एस०
वाहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है है तथा जो माडल
टाउन, जालान्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालान्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
होना चाहिए :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती श्रीज पाल कौर पत्नी श्री हरकिरत सिंह,
एम०, जी० डी० पब्लिक स्कूल, जयपुर (अन्तरक)

2. श्री मंगल सैन कुमार पुत्र श्री लखमी दास, 6
नर्सरी, माडल टाउन, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विनोद नं० 4214 सितम्बर 1977 को
रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है

बी० एस० वाहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15 मई 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी०-1784—यत मुझे बी० एस० दाहिया,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
 की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
 विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
 और जिनकी सं० जैसा कि अनुसूचि में है तथा जो जी० टी०
 रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचि
 में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
 फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 श्री खजान चन्द भल्ला पुत्र श्री ज्ञान चन्द भार्गव
 बाबा फिलिंग स्टेशन, टांडा उरमर जिला होशियारपुर
 (अन्तरक)

2 श्री विनोद कुमार भल्ला पुत्र श्री तीर्थ रा भल्ला,
 371-लाजपत नगर जालन्धर (अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके
 अभिभोग समें सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति
 जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानाता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
 दिया गया है।

अनुसूची

विलिडिंग जैसा कि विनोद नं० 3886 सितम्बर 77 को
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है

बी० एस० दाहिया
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 15 मई 1978
 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1785—यतः मुझे बी० एस० दाहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जी० टी० रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख तिसम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री खजान चन्द भल्ला पुत्र श्री ज्ञान चन्द भार्फत बाबा फिलींग स्टेशन, डांडा उरमर, जिला होशियारपुर (अन्तरक)

2. श्रीमती आशा रानी भल्ला पत्नी श्री तीर्थ राम भल्ला, 371 लाजपत नगर, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जैसा कि बिलेख नं० 3891 सितम्बर 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दाहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

तारीख 15 मई 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1786—यतः मुझे बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो एक हुसैना
लामा पिंड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर
1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री भगतु 2. गुरबचन सिंह पुत्र श्री रत्नलाल पुत्र
श्री देवीचन्द, निवासी चक हुसैना-लामा पिंड, जालन्धर
(अन्तरक)

2. श्री शिव इन्द्र, चरण सिंह तुंड पुत्र श्री बाल चरण
सिंह, 103-न्यू जवाहर नगर, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अभिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां, करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 3963 सितम्बर-77 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15 मई 1978

मोहर :

प्रस्ताव आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1787—यतः मुझे बी० एस०

दहिआ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बहराम सरीशटा, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित नास्तोबन्ध रूप में उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाग का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का महत्त्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रकटित:—

1. श्री गुरमेल सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह
2. गुरदव सिंह (3) जोगिन्द्र सिंह, गांव बहराम सरीशटा तहसील जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री जगत सिंह पुत्र श्री लाभ सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह गांव, बहराम सरीशटा, तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यायोपकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 3816 सितम्बर 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिआ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15 मई 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी० 1788—यतः मुझे बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव साईपुर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सत प्रकाश पुत्र श्री पाला राम अटारनी भाफ श्रीमती लिला भारज पाल श्री सत प्रकाश 25, महर बाजार, जालन्धर छावनी (अन्तरक)

2. सै० ठाकर इंजिनियरिंग वर्कस एम०-5, इन्डस्ट्री एरिया, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जेन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 3973 सितम्बर 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15 मई 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी० 1789—यतः मुझे बी० एस०

दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बस्ती
नो, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
6—96GI/78

1. मै० गुरु नानक पब्लिक वेलफेयर ट्रस्ट मिलाप सौक,
जालन्धर (द्वारा श्री गुरबक्श सिंह अडवोकेट) (अन्तरक)

2. मै० अमृत सपोर्ट्स 66, बस्ती नो, जालन्धर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि विलेख नं० 3809 सितम्बर-77 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15 मई 1978
सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निवेश सं० ए० पी० 1790-यतः मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो नजदीक नरीन्द्र सिनेमा, जालन्धर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रघवीर सिंह ओहरी पुत्र श्री नया सिंह, 542 भाडल टाऊन जालन्धर (जी० ए० आफ श्रीमति अतर कौर पति श्री नया सिंह । (अन्तरक)

2. श्री धर्म वीर पुत्र श्री शंकर दास फस्ट फ्लोर मार्किट, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि विलेख नं० 3966 सितम्बर 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15 मई 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी० 1791—यतः मुझे, बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो नजदीक नरीन्द्र सिनेमा (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम सिंह पुत्र श्री नया सिंह भाफ कोट बहा खान, जालन्धर अब गांव डाबडाबा तहसील बिलासपुर, जिला रामपुर। (अन्तरक)

2. श्री धर्मवीर पुत्र श्री शंकर दास फस्ट फलौर मार्किट, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

जैसा कि विलेख नं० 4001 सितम्बर 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-5-1978
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी० 1792—यत मुझे बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो नजदीक नरीन्द्र सिनेमा (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महीन्द्र सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह कोट बहादुर खान अब गांव बाबदाबा, तहसील बिलासपुर जिला रामपुर। (अन्तरक)

2. श्री धर्मवीर पुत्र श्री शंकर दास फस्ट फलोर, माकिट जवाहर नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि बिलेख नं० 4002 सितम्बर 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-5-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी० 1793—यतः मुझे बी० एम० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो नजदीक नरीन्द्र सिनेमा, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री स्ववीर सिंह ओहरी पुत्र श्री नया सिंह 542 माडल टाऊन, जालन्धर (जी० ए० आफ श्रीमति अन्तर कौर विधवा श्री नया सिंह । (अन्तरक)

2. श्रीमती सुरीन्द्र रानी पत्नि श्री धर्मवीर फस्ट फ्लोर मार्किट, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर । (अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वस्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि विलेख नं० 4033 सितम्बर 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है ।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख 15-5-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1794—यतः मुझे, बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव हजारा जालन्धर में स्थित है (और इससे 'उपाबद्ध' अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मैहंगा सिंह पुत्र श्री गुरवास सिंह गांव हजारा तहसील जालन्धर (जी० ए० आफ० श्री बतन सिंह, अलास श्री बन्ता सिंह पुत्र श्री बेला सिंह, गांव हजारा) (अन्तरिक)

2. श्री प्रजीत सिंह पुत्र श्री गुरीन्दर सिंह पुत्र श्री सुखचैन सिंह, गांव डकयोहा, अख 676—माडल टाऊन, जालन्धर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 5345 दिसम्बर, 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है ।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 15-5-1978 ।

अर्जन रेंज, जालन्धर

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1795—यतः मुझे, बी० एस०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो सैन्ट्रल
टाऊन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कृष्ण चन्द्र मालही पुत्र श्री आत्मा सिंह,
70/8, सैन्ट्रल टाऊन, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री बलदेव मित्तल गोयल पुत्र श्री साधु राम 54/8,
बी, सैन्ट्रल टाऊन, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जैसा कि विलेख नं० 3754 सितम्बर 77 दो
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15 मई 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1796—यतः मुझे, बी० एस० दहिया
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बियास पिंड
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त बन्धि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या धन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

ततः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महिन्द्र सिंह पुत्र श्री बखशीश सिंह जी० ए० आफ
श्री बखशीश सिंह पुत्र श्री बन्ता सिंह, गांव बियास पिंड, तहसील
जालन्धर

(अन्तरक)

2. श्री इकबाल सिंह पुत्र श्री बखशीश सिंह गांव बियास पिंड,
तहसील जालन्धर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग्य
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 4676 अक्टूबर 77 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15 मई 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी० 1797—यतः मुझे, बी० एस० दाहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में तथा जो बियास पिंड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

7-96GI/78

1. श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री बखशीश सिंह जी० ए० आफ श्री बखशीश सिंह पुत्र श्री बन्ता सिंह गांव बियास पिंड, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री हर भजन सिंह पुत्र श्री बखशीश सिंह गांव बियास पिंड, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 4677 अक्तूबर 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दाहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 15 मई 1978

मोहर

प्रारूप आई०टी०एन०एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1798—यतः, मुझे, बी० एस० दाहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बस्ती भूरे खान, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री साधू राम पुत्र श्री किशोरी लाल मालसीया तहसील नकोदर, जिला जालन्धर (अन्तरक)

2. मै० गुरु राम दास रबड़ इन्डस्ट्रीज प्रीत नगर, बस्ती भूरे खान, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करना हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्रटी जैसा कि विलेख नं० 3684 सितम्बर 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दाहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15 मई 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी० 1799—यतः मुझे, बी० एम० दाहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है जो पटेल नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. डाक्टर गुरबक्श सिंह नायर 124-एल०, माडल टाऊन, जालन्धर (अन्तरक)

2. मै० दिल्ली पंजाब गुड्स कैरियर जी० टी० रोड, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में (ब) व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बाद में अधोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्रती जैसा कि विलेख नं० 4271 सितम्बर 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दाहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख । 15 मई 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1800—यतः मुखे, बी० एस० दहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है जो माडल
टाऊन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उल्टे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को
जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. श्रीमती भागवन्ती पति श्री वीर सिंह 76-एल०,
माडल टाऊन, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्रीमती सलोचना कल्हन पुत्र श्री तुलसी राम कल्हन
2. श्रमति सीता शर्मा पति श्री पृथ्वी राज शर्मा 76-आर
माडल टाऊन, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिनके
अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. जो व्यक्ति स ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धासेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के धाध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस धाध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 4145 सितम्बर 77 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15 मई 1978
मोहर :

प्राख्य धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1801—यसः, मुसे वी० एस० दाहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है जो विजय नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांशी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री मखन सिंह भार्पत मखन सिंह हरनाम सिंह, न्यू ग्रेन मार्किट, जालन्धर (अन्तरक)

2. 1. श्री जोगिन्द्र पाल पुत्र श्री दुनी चन्द 2. श्रीमति शान्ति देवी पत्नी श्री जोगिन्द्र पाल 3. श्रीमति राम प्यारी पत्नी श्री दुनी चन्द, 126-विजय नगर, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 3686 सितम्बर 77 को राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

वी० एस० दाहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 15 मई 1978
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1802—यतः, मुझे, बी० एस० दहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बस्ती
नौ, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में
शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः यद्यपि उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती जनक रानी पत्नी श्री रोशन लाल घर
नं० 130, गद्दीद ऊधम सिंह नगर, जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री सोम नाथ कमल कृष्ण पुत्र श्री इन्दर नाथ,
बस्ती नौ, इन्द्र नगर, जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिन्के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्राप्त की जैसा कि विलेख नं० 3944 सितम्बर 77 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15 मई 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी०-1803-यतः, मुझे, बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बस्ती नौ, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक न शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) न प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गतीश कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश 130 शहीद ऊधम सिंह नगर, जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री सोम नाथ, कमल कृष्ण पुत्र श्री इन्द्र नाथ, बस्ती नौ, इन्द्र नगर, जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्रटी जैसा कि विलेख नं० 3945 सितम्बर 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15 मई 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी० 1804—यन०, मुझे, बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बस्ती नौ, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्भित :—

1. श्री कुन्दन लाल पुत्र श्री भागमल घर नं० 156, जी० बी०, काजी मुहल्ला, जालन्धर (प्रन्तरक)
2. श्री सोम नाथ, कमल कुण्ड पुत्र श्री इन्द्र नाथ, बस्ती नौ, इन्द्र नगर, जालन्धर (प्रन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्रटी जैसा कि विलेख नं० 3949 सितम्बर 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15 मई 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 मई 1978

निवेश सं० पी० आर० 585/एसीक्यू-23-988/19-7/
77-78—अतः, मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रे० सं० नं० 36/1 (भाग) और 37/1
(भाग) (प्लॉट नं० 3, 4, 5 है तथा जो खरोदरा इन्डस्ट्रीयल
एरिया, सूरत, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 5-9-1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरगतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के प्रतीक निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् :—
8-96GI/77

1. (1) दाराबशा कैरथूशाह अदाजिनिया (2)
रुस्तोमजी होरमूसा जी वाडिया (3) जरीर दाराबशा अदाजिनिया
सभी के० सी० अदाजिनिया चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टीज अदाजिनिया
हाउस, 803-बी, डा० अंबेडकर रोड, दादर, बम्बई-14
(अन्तरक)

2. फेब-रेख इन्डस्ट्रीयल को० आ० सर्विस सोसायटी
लिमिटेड, 5-184, हरीपुरा, खाला टेकरा, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(३) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जो सं० नं० 36/1 पैकी प्लॉट नं० 3, 4
और 5 और 37/1 (भाग) खरोदरा इन्डस्ट्रीयल एरिया सूरत
शहर टी० पी० स्कीम नं० 6 फाइनल प्लॉट नं० 59-सी० पर
स्थित है और जिसका कुल माप 6288 वर्ग गज 25 चौड़ा
एप्रच रोड सहित) है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के
सितम्बर 1977 के रजिस्ट्रीकृत खिलेख नं० 1488 में प्रदर्शित
है :

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 15 मई 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद, दिनांक, 15 मई 1978

निदेश सं० पी० आर० 586/ए० सी० न्यू० 23-986/19-7-77-78—अतः मुझे, एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 7 नोंध नं० 2625, है। तथा जो वायडा शेरी, सैयदपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण में हुई किसी प्राय की शकत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने व अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या हिस्सा धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरणों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) बम्पकलाल जमनादास स्वयं तथा जमनादास भगवानदास के कुलमुखतार रविन्द्र पार्क सोसायटी, अदाजन रोड, सूरत

2. रतिलाल जमनादास

3. जयन्ती लाल जमनादास नं० 2 और तीन रिक्त : 34 समर्पन सीसायटी, रान्देर रोड, सूरत (अन्तरक)

(2) श्री यूनस अहमद धीवाला, गुलाम मोहम्मद आदमजी बादान, रामपुरा, धाडा ओस, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना दाने पर पूर्वोक्त सम्पत्ति के पंजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क मध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जे उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो वार्ड नं० 7, नोंध नं० 2625 वायडा शेरी, सैयदपुरा, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 78-59-62 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के सितम्बर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1712 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—II

अहमदाबाद

तारीख : 15 मई 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1305/78-79—

अतः मुझे एन० एस० चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2/67 है तथा जो रामेश नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग को बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सत पाल खन्ना, सुपुत्र श्री ईश्वर दास खन्ना, निवासी बी० एफ०/15, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती कमला अनमानी बनाम कमला देवी, पत्नी श्री सुभाष चन्द्र निवासी 2/67, रामेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. मै० किटे कैट ड्राई क्लोनरस, 2/67, रामेश नगर, नई दिल्ली। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी बना हुआ भूखान जोकि 184 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 2/67 है, रामेश नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० 2/66

पश्चिम : रोड़

उत्तर : रास्ता

दक्षिण : जायदाद नं० 2/68

एन० एस० चोपड़ा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली,

नई दिल्ली

तारीख : 15-5-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज III दिल्ली-1

4/14क, आसफगली मार्ग

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 मई, 1978

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस आर-II/सितम्बर/1489/
(25)/77-78—अतः मुझे, ए० एल० सूद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डब्लू जेड-91/बी है तथा जो तातारपुर गांव,
दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मोहम्मद हुसैन, सुपुत्र श्री नूर बक्स, निवासी डब्लू
जेड-91/बी, तातारपुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्री रणधीर सिंह, सुपुत्र श्री बनवारी लाल,
निवासी डब्लू जेड-79, तातारपुर गांव, दिल्ली राज्य,
दिल्ली (अन्तरिती)

3. मै० वी० पी० प्लास्टिक कं०, डब्लू जेड-91/बी, तातार-
पुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के ग्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद जिसका नं० डब्लू जेड-91/बी है, और क्षेत्रफल
150 वर्ग गज है, तातारपुर गांव की आबादी में, दिल्ली राज्य,
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : दिल्ली विकास प्राधिकरण का पार्क

पश्चिम : रोड़

उत्तर : जायदाद नं० डब्लू जेड-91/बी का शेष हिस्सा

दक्षिण : अन्य कालोनी

ए० एल० सूद

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-III, दिल्ली

नई दिल्ली

तारीख : 15-5-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/III एस० आर०-III/सितम्बर/730/77-78—अतः मुझे ए० एल० सूद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एल-10 है तथा जो ग्रीन पार्क एक्सटेन्शन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-9-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—

1. श्री बी० एस० बेंकटारामण, सुपुत्र श्री बी० सुब्रामणियम आद्वयर, निवासी बी-200, नानकपुरा, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. मै० स्टर्लिंग पब्लिशर्स (प्रा०) लि०, बी ओ-ए-सी०/9, सफदरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली-16 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फ्री होल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 167 वर्ग गज है और नं० 10, ब्लॉक नं० एल है, निवासी कालोनी ग्रीन पार्क एक्सटेन्शन नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० एल-11

पश्चिम : प्लॉट नं० एल-9

उत्तर : बिसपैन्सरी प्लॉट

दक्षिण : खुला

ए० एल० सूद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, दिल्ली

तारीख : 15-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० III/एस आर-II/सितम्बर/
1493(29)/77-78—अतः मुझे ए० एल० सूद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० बी-320 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व
में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269ए को उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री महंगा सिंह, सुपुत्र श्री दलीप सिंह, निवासी, 2131,
प्रेम नगर, नई दिल्ली (अन्तरिक)

2. श्रीमती प्रवीण गुलशन, पत्नी श्री गुलशन लाल भाटिया
निवासी बी-320 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बंद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

एक दुमंजिला भकान जिसका न० बी-320 है और क्षेत्रफल
200 वर्ग गज है, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से
स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० बी-321 पर भकान
पश्चिम : प्लॉट नं० बी-319 पर भकान
उत्तर : रोड़
दक्षिण : प्लॉट नं० बी-299 पर भकान

ए० एल० सूद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज III, दिल्ली

तारीख : 15 मई, 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० III/129/सितम्बर-1 (10)/77-78—अतः मुझे जे० एस० गिल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या ए०-1/70 है तथा जो लाजपत नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक (अन्तरको) का अन्तरण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य

उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में पुत्रिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों, जो जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण सचदेवा, पुत्र श्री साहिब दयाल निवासी एच०-1/70 लाजपत नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री प्रेम स्वरूप दुरेजा पुत्र स० श्री दीलात राम दुरेजा निवासी 138, बिनोवापुरी लाजपत नगर नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके ।

शब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक डबल स्टोरी बिल्डिंग जो कि 100 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बनी हुई है, जिसका नं० एच०-1/70 लाजपत नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : लौन
पश्चिम : लेन
उत्तर : मकान नं० 69
दक्षिण : मकान नं० 75

जे० एस० गिल
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 18 मई 1978

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 24th April 1978

No. A. 32014/1/78-Adm. III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 10-4-78, the President is pleased to appoint Shri B. R. Basra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 15-4-78 to 12-5-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Adm. III(2).—The President is pleased to appoint Shri G. V. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 24-4-78 to 9-6-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Adm. III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 27-3-78, the President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 16-4-78 to 31-5-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Adm. III(4).—In continuation of this office notification of even number dated 27-3-78, the President is pleased to appoint Shri J. J. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 30-4-78 to 31-5-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Adm. III(5).—The President is pleased to appoint Shri G. Natarajan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 13-4-78 to 31-5-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Adm. III(6).—In continuation of this office notification of even number dated 27-3-78, the President is pleased to appoint Shri R. Dayal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 16-4-78 to 31-5-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Adm. III(7).—The President is pleased to appoint Shri O. P. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 8-4-78 to 30-6-78 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE

Under Secy.,

(Incharge of Administration)

Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 12th May 1978

No. F. 2/18/78-Estt (CRPF) (Pers. II).—The President is pleased to sanction proforma promotion to Shri H. C. Sood, Dy. S.P. to the rank of Assistant Commandant in the C.R.P.F. w.e.f. 7-7-77 to 10-1-78, while he was on deputation to the I.C.F.S. Ministry of Home Affairs.

The above promotion is subject to review on finalisation of the graduation list of Deputy Superintendent of Police in the C.R.P.F.

C. CHAKRABORTY

Director

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 16th May 1978

No. O. II-1080/78-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Ashok Kumar Jain,

JMO (GDO Gd. II) Group Centre, CRPF, Bantlab, Jammu with effect from the forenoon of 8-2-78.

The 17th May 1978

No. O. II-116/71-Estt.—Consequent on his repatriation to parent State i.e. Maharashtra, Shri O. P. Bali, IPS relinquished charge of the post of Commandant 40th Bn., CRPF on the forenoon of 1st May, 1978.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

MINISTRY OF FINANCE

DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 21st April 1978

F. No. BNP/C/5/78.—In continuation to this Department's Notification No. BNP/C/57/75 dated 14-9-76 the appointment of Shri R. K. Mehrotra as Asstt. Engineer (Elect.) in Bank Note Press, Dewas on standard deputation terms is extended for a further period of one year with effect from 28-10-77 (F.N.).

F. No. BNP/C/5/78.—In continuation to this Department's Notification No. BNP/C/23/77 dated 13-7-77 the *ad hoc* appointment of Shri N. G. Kibe, as Accounts Officer in the Bank Note Press, Dewas is extended for a further period from 1-2-78 to 24-3-78 on the same terms and conditions.

F. No. BNP/C/5/78.—In continuation to this Department's Notification No. BNP/C/23/77 dated 15-1-78, the *ad hoc* appointment of Shri S. K. Mathur as Deputy Control Officer in the Bank Note Press, Dewas is extended for a further period of 3 months, with effect from the Forenoon of 19-4-1978 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

The 10th May 1978

File No. BNP/C/5/78.—In continuation of this Department's Notification number BNP/C/76/75 dated 20-2-77, the deputation period of Shri N. N. Aggarwal as Assistant Engineer (Air-conditioning) in Bank Note Press, Dewas is extended for a further period of One year with effect from the Forenoon of 23-12-77, on the existing terms and conditions.

File No. BNP/C/5/78.—Shri V. Sampath Giri, Permanent Junior Supervisor (Air-conditioning) is promoted on regular basis to officiate as Assistant Engineer (Air-conditioning) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the Bank Note Press, Dewas, with effect from 2-5-78 (F.N.) until further orders.

P. S. SHIVARAM
General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTANTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 16th May 1978

No. 608-CA.1/397-69.—Consequent upon his permanent absorption with the Instrumentation Limited, Kota with effect from 20-1-1977, sanctioned by the Government of India, Ministry of Finance, the Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has accepted the resignation of Shri M. L. Malik, Audit Officer (Commercial) from Government service from the same date.

No. 609-CA.1/61-71.—Consequent upon his permanent absorption with the Hindustan Paper Corporation Limited, sanctioned by the Government of India, Ministry of Finance with effect from 8-8-1976, the Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has accepted the resignation of T. R. Ahuja, Audit Officer (Commercial) from Government service from the same date.

No. 610-CA. 1/373-69.—Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has permitted Shri M. Subba Rao, Audit Officer (Commercial) to retire voluntarily from Government Service under provision of FR 56 (K) with effect from 12-3-78 (AN).

S. D. BHATTACHARYA
Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
KARNATAKA

Bangalore, the 4th May 1978

No. ESI/A4/78-79/81.—The Accountant General is pleased to promote the following permanent Officiating Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking charge.

S/Sri

1. V. Ratnam.
2. M. A. Rajagopalan.

M. A. SOUNDARARAJAN
Senior Deputy Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
ORISSA

Bhubaneswar, the 4th April 1978

No. O.O.C. 9.—The Accountant General has been pleased to appoint Shri D. N. Biswas a permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- with effect from 3-4-1978 F.N. until further orders. The Promotion is without prejudice to the claims of his seniors.

R. S. SHARMA
Sr. Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
KERALA

Trivandrum, the 12th May 1978

No. Estt/Entt/VI/10-3.—Shri P. K. Balakrishnan Nair, Accounts Officer of the office of the Accountant General, Kerala, retired from service on superannuation in the AN of 30th April, 1978.

R. K. A. SUBRAMANYA
Accountant General

Trivandrum 15th May 1978

No. Estt. A. VII/9-86/Vol. II/46.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the undermentioned Permanent Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officer with effect from the dates shown against each, until further orders :—

1. Shri P. Govindan Nair —11-5-1978 F.N.
2. Shri T. Radhakrishnan—11-5-1978 F.N.
3. Shri G. Mahadevan—11-5-1978 F.N.

No. Estt. A.VII/9-86/Vol. II/46.—The Accountant General, Kerala has appointed S/Shri K. K. Mehaboob Ali and K. K. Ravivarman Nambiar, permanent Section Officers of this Office, presently on deputation to Kerala Shipping Corporation Limited, Cochin and the Office of the Chief Engineer, P.H.E.D., Trivandrum respectively, to officiate as Accounts Officers in this Office with effect from 11-5-1978 F.N. under the 'Next Below Rule' until further orders.

S. JAYARAMAN
Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, DEFENCE
SERVICES

New Delhi, the 15th May 1978

No. 865/A-Admn/130/75-78.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint Shri P. P. Singh, Substantive member of S.A.S. to officiate as Audit Officer in the office of the Audit Officer, Defence Services, Jullundur, with effect from 14-4-78, until further orders.

G. DWARKANATHAN
Sr. Dy. Director of Audit,
Defence Services

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 10th May 1978

No. 4771/AN-II.—The President is pleased to appoint Shri C. P. Ramachandran, an officer of the Senior Administrative Grade of the Indian Defence Accounts Service, as the Controller General of Defence Accounts with effect from the Forenoon of 1st May, 1978.

V. S. BHIR
Addl. Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE
D.G.O.F.

D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE

Calcutta-700069, the 4th May 1978

No. 7/78/A/E-I.—The DGOF is pleased to promote the following Permanent Assistants to the grade of Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) in Offg. capacity without effect on seniority from the dates shown against each until further orders

1. Shri Hirendra Nath Chowdhury—3-4-78
2. Smt. Lakshmi Menon—3-4-78
3. Shri Sanat Kumar Sinah—3-4-78
4. Shri Nirode Ranjan Roy—3-4-78

No. 8/78/A/E-1.—The DGOF is pleased to promote the following Offg. Assistants to the grade of Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) in Offg. capacity without effect on seniority from the dates shown against each until further orders :—

1. Shri Surendra Nath Biswas—3-4-78.
2. Shri Amal Kumar Saha—6-4-78.

No. 9/78/A/E-1.—The DGOF is pleased to promote the following Permanent Stenographers Grade III/Offg. Assistants to the grade of Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) in Offg. capacity without effect on seniority from the dates shown against each until further orders :—

1. Shri Sudhansu Kumar Banerjee—3-4-78
2. Shri Biswanath De—3-4-78
3. Shri Niranjana Guha Roy—3-4-78

The 6th May 1978

No. 10/78/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Sudhir Chandra Das, Offg. ASO/Subst. & Permt. Asstt. retired from Service with effect from 30-4-78 (A.N.).

No. 11/78/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Hirendra Nath Chowdhury, Offg. ASO/Subst. & Permt. Asstt. retired from Service with effect from 30-4-78 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI
ADG/Admin. II
for Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 10th May 1978

No. 4/78/A/M.—The President is pleased to appoint the following officer with effect from the date indicated below until further orders :—

Name & Post, Posted at and Date

Dr. Naresh Kumar Shingla, Asstt. Medical Officer, Ordnance Factory, Muradnagar—1-4-78.

P. N. TRIKHA
Brig.

Director of Health Services,
for Director General, Ordnance Factories

Calcutta-16, the 9th May 1978

No. 17/78/G.—On attaining the age of 58 years Shri O. Rego, Offg. Dy-Manager (Subst. Store Holder) retired from service with effect from 28-2-1978 (A/N).

V. K. MEHTA
ADGOF/Est.

Directorate General of Supplies & Disposals
(Administration Sec. A.6)

New Delhi, the 2nd May 1978

No. A-6/76(4)-58 /XV—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent posts of Director of Inspection (Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A') with effect from the date indicated against the name of each officer :—

Sl. No.	Name	Post held	Post in which confirmed	Date of confirmation	Remarks
1	2	3	4	5	6
S/Shri					
1.	K.C. Dutta Gupta	Director of Inspection (Retired)	Director of Inspection (Grade I of Indian Inspection Service Group 'A')	2-11-73	Vice Shri M.R. Patel permanent Director of Inspection retired on 21-11-72 (AN).
2.	L. M. Ray	Do.	Do.	4-1-74	Vice Shri D. P. Chatterjee, Pt. Director of Inspection retired on 4-1-73 (AN).
3.	D.T. Gurshani	Do.	Do.	11-7-74	Vice Shri P. C. Kapoor Pt. Director of Inspection confirmed as DDG(I) w.e.f. 25-6-73.
4.	J. I. Chhabra	Director of Inspection, N.I. Circle New Delhi.	Director of Inspection (Gr. I of Indian Inspection Service Group A)	12-7-74	Vice Shri P. K. Chakravorty Pt. Director of Inspection retired on 8-7-73 (AN)

SURYA PRAKESH
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 15th May 1978

No. 2/5/68-SII.—Director General, All India Radio, hereby appoints Shri P. D. Achari, Accountant, All India Radio, Panaji to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Panaji on *ad hoc* basis with effect from 28-4-78 (F.N.) in the leave vacancy *vice* Shri N. Sivasubramanian granted leave for 65 days from 28-4-78 to 1-7-78.

C. G. SRINIVASAN
Deputy Director of Administration,
for Director General

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 12th May 1978

No. A. 19025/66/78-A. III.—Shri M. P. Singh, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi with effect from 20-4-1978 (F.N.)

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 3rd May 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/100/55-Admn.(G)/3275.—The President is pleased to appoint Sh. K. Jayaraman, Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports Bombay, to officiate as Joint Chief Controller of Imports and Exports in that office with effect from the forenoon of the 4th January, 1978, until further orders.

2. This supersedes this office Notification of even number dated the 2nd March, 1978.

K. V. SESHADRI
Chief Controller of Imports and Exports

on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A. 19025/78/78-A. III.—Shri K. K. S. Sirohi, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi, with effect from 20-4-1978 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

The 15th May 1978

No. A. 39013/1/78-A. III.—The resignation tendered by Shri V. J. Luka, Assistant Marketing Officer in this Directorate, has been accepted by the Competent Authority with effect from 3-3-1978 (A.N.).

No. A. 19023/33/78-A. III.—Consequent upon the acceptance of the resignation tendered by him, Shri N. C. Halder, Marketing Officer, is deemed to be relieved of his duties in this Directorate with effect from the afternoon of 30-4-78, on the expiry of 3 days' earned leave sanctioned to him from 28-4-78 to 30-4-78.

No. A-19024/5/78-A.III.—Shri Chandra Prakash, Senior Chemist, has been appointed to officiate as Chief Chemist at Regional Agmark Laboratory, Madras, with effect from the 18th April 1978 (FN) on short term basis for a period of six months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti 323303, the 15th May 1978

No. RAPP/Rectl./9(20)/78/S/460.—On posting from Bhabha Atomic Research Centre *vide* DAE's office order No. 7/27/75-CCS dated 18-8-1977, the Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri V. P. Naik a permanent Assistant Personnel Officer to officiate as Administrative Officer-II in Junior Administrative Officer Grade (Rs. 840—1200/-) in a temporary capacity in this Project with effect from 24th October, 1977 (FN), until further orders.

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E)
for Chief Project Engineer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay 400 001, the 8th May 1978

Ref. DPS/41(2)/77-Adm./13859.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated February 28, 1978, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Storekeepers in the Central Stores Unit, Trombay to officiate as Assistant Stores Officers on an *ad hoc* basis for a further period ending June 30, 1978 (AN) :—

1. Shri Mihir Chandra Roy.
2. Shri Muliappurath Raju.
3. Shri Vasant Yashwant Gokhale.

The 11th May 1978

No. DPS/2/1(1)/77/Adm./13954.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated January 4, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Wazirchand, Chief Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the same Directorate for a further period upto June 30, 1978.

B. G. KULKARNI,
Assistant Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 12th May 1978

No. AMD/1/24/76-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Mukund Singh, Permanent Assistant as Assistant Personnel Officer in the Atomic Minerals Division on an *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 24 April, 1978, until further orders.

S. RANGANATHAN,
Sr. Administrative & Accounts Officer

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 26th April 1978

No. 1/80/78-EST.—Shri D. P. Rao, Permanent Assistant Engineer, D.T.S., Poona, expired on the 4th March, 1978

P. G. DAMLE,
Director General

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

NAGPUR

Nagpur, the 9th May 1978

No. 6/78.—Consequent upon his transfer *vide* Collector's Establishment Order No. 51/78, C. No. II(3)1-Con/78, dated 11-4-1978, Shri S. Banerjee, Assistant Collector, Central Excise, Division-I, Nagpur has, in the forenoon of 22nd April, 1978, assumed regular charge of Assistant Collector (Hq.s) which he was holding as additional charge with effect from 24-10-1977.

Shri B. L. Ganjapure, Assistant Collector, Central Excise Division-II, Nagpur has taken over the charge of Assistant Collector, Central Excise, Division-I, Nagpur in addition to his own charge with effect from 20-4-1978 (A.N.), relieving Shri S. Banerjee of his charge.

M. R. PAROOLAKER,
Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the May 1978

No. 9/78.—Shri M. L. Gupta lately posted as Supdt. Central Excise, Group 'B' in Central Excise Collectorate, Kanpur, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the North Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at Allahabad on 10-4-78 (F.N.) *vice* Shri S. N. Tewari retired.

S. VENKATARAMAN,
Director of Inspection

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

Delhi-12, the 10th May 1978

CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 25/1978.—On transfer Shri A. H. M. Shand, Assistant Chemical Examiner, Govt. Opium & Alkaloid Works Undertaking, Ghazipur has assumed charge in the same capacity in the Central Revenues Control Laboratory, New Delhi with effect from 6-5-1978 (F.N.).

KESHAV PRASAD,
Deputy Chief Chemist, Central Revenues

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 12th May 1978

No. 33/12/73-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri Kabindra Nath Saikia a nominee of the UPSC against the temporary post of Architect (G.C.S. Group A) in the CPWD on a pay of Rs. 100/- P.M. in the scale of Rs. 1100—50—1600/- (plus usual allowances) with effect from 6-4-1978 F.N. on the usual term and conditions.

2 Shri Saikia is placed on probation for period of two years with effect from 6-4-78 (F.N.).

KRISHNA KANT,
Dy. Director of Administration

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY OFFICE OF THE GENERAL MANAGER (P)

Pandu, the 11th May 1978

No. E/55/III/94 Pt. III(O).—Shri S. Venkataraman, Junior Scale Officer of the Civil Engineering Department confirmed in the Senior Scale with effect from 1-1-1978.

M. R. N. MOORTHY,
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS)
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Trident Marketing and Advertising Pvt. Limited*

New Delhi, the 8th May 1978

No. 6867/8596.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Trident Marketing and Advertising Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

Himadri Foods Private Limited

New Delhi, the 8th May 1978

No. 6668/8598.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Himadri Foods Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE

Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 18th May 1978

Ref. No. IAC/Acq. I/129/SEPI(10)/77-78/569.—Whereas,
I, J. S. GILL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H-1/70, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-9-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Shri Siri Krishan Suchdeva
S/o Shri Sahib Dayal
R/o H-1/70, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Sarup Dureja
S/o Late Shri Daulat Ram Dureja
R/o 138, Vinobapuri, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The lease-hold Double storeyed property No. H-1/70, Lajpat Nagar, New Delhi measuring 100 sq. yds. to the vendee which is bounded as under :—

On the East : Lawn
On the West : Lane
On the North : Qr. No. 69
On the South : Qr. No. 75

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 18th May 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/130/Sep.U/77-78/569.—Whereas, I. J. S. GILL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 56, situated at Khanna Market, Lodhi Road, New Delhi-110003 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kora Mal alias Kora Lal
S/o Shri Himat Rai
R/o No. (shop) No. 56,
Khanna, Market, Lodhi Road, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Rattan Lal Sharma
S/o Late Shri Kishana Ram Sharma
R/o Shop No. 56,
Khanna, Market, Lodhi Road, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Government Built shop bearing No. 56, constructed on a lease hold plot measuring 27.7 sq. yds. situated at Khanna Market, Lodhi Road, New Delhi-110003.

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 18-5-1978
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 18th May 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/Sept/127/77-78/569.—Whereas, I, S. GILL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-129, situated at Greater Kailash-II, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 5-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hem Chand s/o Shri Sohan Lal
R/o House No. 3104, Mohalla Dassan,
Hauz Qazi, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Jagjit Raj Vij
S/o L. Shri Trilok Singh and
Mrs. Promila Vij, w/o Shri Jagjit Raj Vij
R/o 11/4, Rajinder Nagar,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold single storeyed residential house bearing No. 129 in Block 'E' on 250 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East : Plot No. E-127
West : Plot No. E-131
North : Service Lane
South : Road

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 18-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 12th May 1978

Ref. No. RAC. No. 36/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-48/2 situated at Ameerpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khairtabad on Sept. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Jagdish Chander Bhari,
Manager, Dunlop India Ltd.,
Public Garden Road,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Arrabolu Appala Rao,
Manager, I.T.C. Ltd., Banaganapally,
Kurnool-Dist.

(Transferee)

(3) Sri Dhanavathe,
H. No. 7-1-48/2 Ameerpet,
Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7-1-48/2 at Raja Shankaran Road, Ameerpet, Hyderabad registered vide Doc. No. 2201/77 with the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. V. Vanajakshi w/o Sri V. Narsimha Reddy,
R/o Adoni, Kurnool-Dist.

(Transferor)

(2) Sri K. Linga Reddy s/o Narsi Reddy,
R/o Pasara Mulug-Tq.,
Warangal-Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 12th May 1978

Ref. No. RAC. No. 37/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot in S. No. 174 situated at Nizamguda Panjagutta, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 29-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
10—96GI/78

Object.ons, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 450.97 Sq. Yds. in S. No. 174 Nizamguda, Panjagutta, Hyderabad, registered through Doc. No. 2373/77 with the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 12th May 1978

Ref. No. RAC. No. 38/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-3/826 827, 760, 761, 762 situated at

General Bazar, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 9th Sept. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Kyalasa Ramesh Babu,
2. Master Kyalasa Nagaraj,
Both residing at 174 Ganj Bazar,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri V. Nagesh S/o Sri Krishna,
2. V. Satyanarayana,
Both residing at New Bhoiguda,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 3-3-826, 3-3-827, 3-3-760, 3-3-761, and 3-3-762 situated at General Bazar, secunderabad, registered vide Doc. No. 1506/77 with the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-5-1978

Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Lakshmi Bai w/o Sri Jagdish Pershad,
H. No. 21-1-293 at Rikabgunj,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Mrs. Mumtaz Karan W/o Dr. S. Roop Karan,
H. No. 3-5-812, "Vizir Villia" at Hyderguda,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 12th May 1978

Ref. No. RAC. No. 39/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-
KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Shop I, in 5-8-525 situated at Chiragali lane, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on 19-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. I, Part of premises No. 5-8-525 situated at
Chiragali lane, Hyderabad, comprising of 33.68 Sq. Yds.
registered vide Doc. No. 2556/77 with the Joint Sub-Regis-
trar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-5-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 12th May 1978

Ref. No. RAC. No. 40/78-79.—Whereas, I, K. V. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Portion of 4-8-40/2 & 3 land situated at Gowliguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Hyderabad on Sept. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Kandiganti Ramchander,
H. No. 4-2-723 at Ramkote,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ganji Rajeswar Rao,
5-1-535 at Gahsmandi,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 363 Sq. Yds. rear portion of premises No. 4-8-40/2 and 3 at Rangmahal Road, Gowliguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2673/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 16th May 1978

Ref. No. RAC. No. 49/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-1-965 situated at Seetharambagh, Mallapally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on Sep. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sabiha Begum
2. Bilquis Iqbal,
3. Syed Fazail,
4. Tayyaba Hashem,
5. Sadiqa Afeef,
6. Mohsina Akif,
All residing at 11-1-963 at Seetharama Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Mohd. Jahangeer S/o Mohd. Hussain,
H. No. 14-1-310 at Seetaram Bagh,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 11-1-965 at Seetharam Bagh, Mallapally, Hyderabad registered vide Doc. No. 2282/77 with the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 16th May 1978

Ref. No. RAC. No. 50/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-335/4, & 5 situated at Narayanguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sharan Bin Yousuf Ali
2. Mohammadi Begum,
3. Ayesha Begum,
All minors, Represented by mother
Smt. Rabab Begum,
R/o Chiragali lane, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Rama Varshney
S/o Sri Ram Babu Varshney,
H. No. 2-2-647/182 Central Excise Colony,
New Nallakunta, Hyderabad.

(Transferee)

- (3) M/s. Liquors Enterprises,
M. No. 3-5-335/4 and 5
At Narayanguda, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two Mulgics bearing M No. 3-5-335/4 and 3-5-335/5 at Vittal Wadi, Narayanguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2628/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-5-1978
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 16th May 1978

Ref. No. RAC. No. 51/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot situated at Masab Tank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 1-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. (Mrs.) Farzana Qureshi,
G.P.A. Mrs. Saifia Qureshi
A-Class quarters No. 445 at Agapura,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. C. Satish S/o C. Aswathama,
H. No. 3-5-804/2/3 King Koti,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 599 Sq. Yds. in Masab Tank, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2159/77 with the Sub-Registrar Khairtabad, Bounded on :

South by : Road
North by : 10-5-7/1 Wakf to Tamire Milleth,
East by : 10-5-3/2/7 Rameshchandra,
West by : 10-5-3/2/5 Mujtaba Khan.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 16th May 1978

Ref No. RAC. No. 52/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-661 situated at Somajiguda

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri P. V. Narasimha Rao
R/o Dokiparru, Krishna Dist.
2. Smt. R. Buchammai W/o Sriramulu Naidu,
R/o Orakadu, Madras-52.

(Transferor)

- (2) Smt. Kolli Vasumathi W/o Venkateshwar Rao,
6-3661 at Somajiguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land area 662 Sq. Yds. M. No. 6-3-661 at Somajiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2244/77 with the Sub-Registrar Khairtabad,

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 17th May 1978

Ref. No. RAC. No. 53/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule, 5-8-107 situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

11—96G1/78

(1) Mir Akbar Sultan
S/o late Mir Hussain Sultan,
H. No. 5-8-107, Nampally Road,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Ali Bhai s/o Virji,
5-4-656, Old Kattalmandi,
Hyderabad.

(Transferee)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The house bearing H. No. 5-8-107, Nampally Road,
Hyderabad, registered vide Doc. No. 2664/77 with the
J.S.R. Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. SNM/39/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 96 Kanal-7 Marlas, situated at Village Dharam Garh Chhana Teh Sunam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sunam in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurnam Singh
S/o Shri Mehar Singh
R/o Vill. Dharam Garh Chhana Tehsil
Sunam

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Baldev Singh 2. Sukhdev Singh
3. Chhota Singh, 4. Nam Dev Singh
Ss/o Shri Sadhu Singh
R/o Village Dharamgarh Chhana Tehsil Sunam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 96 Kanals 7 Marlas, situated at Village Dharam Garh Chhana Tehsil Sunam.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1787 of September, 1977 of the Registering Authority at Sunam).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. SML/34/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1st Floor of Swadhya Ashram Talbot House Simla-I situated at Simla-I

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in September, 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Swami Pragya Nand Sarswati
Swadhya Ashram,
R/o Talbot House Estate, Simla-I.
(Transferor)
- (2) Shri Sheel Chander
S/o Shri Nanak Chand,
R/o D-102, Defence Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st Floor of Swadhya Ashram Talbot House Situated in Simla-I.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 544 of September, 1977 of the Registering Authority, Simla.)

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Swami Pragya Nand Sarswati
Swadhya Ashram,
R/o Talbot House Estate, Simla-I.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nanak Chand
S/o Sh. Ch. Shiv Saran Dass
R/o D-102, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. SML/38/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1st Floor of Swadhya Ashram Talbot House Simla-I situated at Simla-I

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in September, 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st Floor of Swadhya Ashram Talbot House Situated in Simla-I.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 549 of September, 1977 of the Registering Authority, Simla.)

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Omprakash
S/o Shri Walaiti Ram
R/o Nabha Distt. Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. S/Shri Jaswant Rai, 2. Tejawant Rai, 3. Bhag-
want Rai Ss/o Shri Budh Ram
R/o Nabha Distt. Patiala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. NBA/25/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

A house measuring 545 sq. yds. situated at Moti Bagh,
Nabha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Nabha in October, 1977,

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consi-
deration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A house measuring 545 sq. yads. situated at Moti Bagh,
Nabha Distt. Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1546
of October, 1977 of the Registering Authority at Nabha).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. NBA/29/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 4 Bigha 5 Biswas, situated at V. Duladi Tehsil Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Nabha in November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Mohinder Singh
S/o Shri Arjan Singh
R/o V. Duladi Tehsil Nabha.

(Transferor)

- (2) M/s. Nath Mills,
R/o V. Duladi Tehsil Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 bigha 5 biswas situated at Village Duladi Tehsil Nabha.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1577 of the November, 1977 of the Registering Authority Nabha).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Joginder Singh
S/o Shri Arjan Singh
R/o V. Duladi Tehsil Nabha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. NBA/30/77-78.—Whereas, I, NTHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 4 Bigha 6 Biswas, situated at Village Duladi Tehsil Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) M/s. Nath Mills,
R/o V. Duladi Tehsil Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bigha 6 Biswas situated at Village Duladi Tehsil Nabha.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1578 of the November, 1977 of the Registering Authority Nabha).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. NBA/31/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 4 Bigha 5 Biswas, situated at Village Duladi Tehsil Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Teja Singh
S/o Shri Arjan Singh
R/o V. Duladi Tehsil Nabha.

(Transferor)

- (2) M/s. Nath Mills,
R/o V. Duladi Tehsil Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bigha 5 Biswas situated at Village Duladi Tehsil Nabha.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1626 of the November, 1977 of the Registering Authority Nabha).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. NBA/35/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 4 Bigha 6 Biswas, situated at Vill. Duladi Tehsil Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mukhtiar Singh
S/o Shri Arjan Singh
R/o V. Duladi Tehsil Nabha. (Transferor)
- (2) M/s. Nath Mills,
R/o V. Duladi Tehsil Nabha. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bigha 6 Biswas situated at Vill. Duladi Tehsil Nabha.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1627 of the December, 1977 of the Registering Authority at Nabha).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. NBA/34/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 15 bigha and 3 biswas situated at Village Duladi, Tehsil Nabha, District Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in December, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- S/Shri
(1) 1. Darshan Singh } Sons of Balbir Singh
2. Thakur Singh. } Residents of Village Duladi, Tehsil Nabha,
District Patiala.

(Transferor)

- S/Shri
(2) 1. Ram Gopal s/o Babu Ram
R/o Patiala.
2. Suraj Bhan s/o Ram Gopal
R/o Patiala.
3. Kamla Devi w/o Siam Lal,
R/o Nabha.
4. Chander Kanta w/o Jaswant Rai
R/o Nabha.
5. Bimla Rani w/o Om Parkash,
R/o Nabha.
6. Santosh Kumar s/o Sham Lal,
R/o Nabha.
7. Rajesh Kumar s/o Sham Lal,
R/o Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 bigha and 3 biswas, Khewat No. 134-Min, Khataoni No. 256, Khasra No. 399 (3-18), 1670
400
(3-15), 401 (7-10) situated in Village Duladi, Tehsil Nabha, District Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1601 of December, 1977 of the Registering Officer, Nabha).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref No. NBA/43/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 12 bighas 15 biswas, situated at V. Duladi Tehsil Nabha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nabha in January 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- S/Shri
(1) 1. Sajjan Singh son of Smt. Nand Kaur.
2. Gurdial Singh } Sons of Basanta Singh
3. Bachan Singh } & Thakur Singh
Residents of Village Duladi Tehsil Nabha.
(Transferor)
- S/Shri
(2) 1. Telu Ram s/o Shri Kapuri Mal.
2. Bihari Lal } Sons of Shri Telu Ram
3. Lal Chand } Residents of Village Duladi Tehsil Nabha.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 Bighas 15 Biswas situated at Malerkotla Road, Village Duladi Tehsil Nabha.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1919 of January, 1978 of the Registering Authority at Nabha).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-****TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY**

Bombay, the 16th May 1978

Ref. No. AR-II/2511-7/Sept.77.—Whereas, I, G. A. JAMES,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 21 H. No. 2 (Pt) Plot No. 20-21 of Private T.P.S. situated at Vile Parle (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 7-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Manjulaben Chimanlal Sheth and
Shri Chimanlal Prabhudas Sheth
(Transferor)
- (2) Om Chandra Milan Cooperative Housing Society
Limited.
(Transferee)

S/Shri

- (3) 1. Harshad Jgannath Maniar
2. Diwaliben Rajmal Shah
3. Uttamchand Chhagalal Mehta
4. Ishwar Chunilal Patel
5. Asha T. Petdar
6. Manjulaben Chimanlal Seth
7. Hansa Yeshwant Sanghavi
8. Bhagwandas Vishwanath Gupta
9. Pranlal Mansukhlal Parikh
10. Hansa Pranlal Parikh
11. Pravin Popatlal Shah
12. Jayagauri Vallabhdas Simaria
13. Pravinchandra Babulal Shah
14. Kantaben Nagindas Shah
15. Mahesh Amratlal Doshi
16. Cotex Pvt. Ltd.

17. Universal Textile Pvt Ltd.
18. Deepak Tulsidas
19. Ajeet Tulsidas
20. Tulsidas Kanji
21. Arunaben Ramesh Shaha
22. Liliben Rikhavdas Shah
23. Kikabhai Vithaldas Shah
24. Smt. Madhuri Kikabhai Shah
25. Smt. Pushpavati Himatlal Shah
26. Girdharilal Keshavdeo Surekha
27. Smt. Kamala Girdharilal Surekha
28. Amrishbhai M. Desai
29. Dulerai M. Mulani
30. Laxmiprasad Kalidas
31. Natwarlal Maganlal
32. Nemiben Motichand Zaveri
33. M/s. Amratlal & Co.

(Person in occupation of the property)

- (4) M/s. Amratlal & Co.,
Shri Amratlal Jadavji Sanghavi,
Shri Mohanlal Jadvji Sanghavi,
Shri Gangadas Jadavji Sanghavi,
Smt. Kusumben Manubhai Sanghavi,
Smt. Smita Amratlal Jadavji Sanghavi.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Vile Parle (East) Mahatma Gandhi Road, in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 2560 (two thousand five hundred and sixty) square yards equivalent to 2150 (two thousand one hundred and fifty) square meters or thereabouts and bearing Survey No. 21, Hissa No. 2 (Part) and Plot Nos. 20-21 of Private Town Planning Scheme known as "Paranjape Scheme" (A) and bounded as follows, that is to say on or towards the North by land bearing Survey No. 21—Hissa No. 1 bearing Plot No. 22 of the said Scheme, on or towards the South by land bearing Survey No. 20-A Hissa No. 1 and non-agricultural Survey No. 20-D and bearing Plots Nos. 12-A and 12-12-B respectively of the said Scheme, on or towards the East by the 24 feet Road of the said Scheme and on or towards the West by the 16 feet Road of the same Scheme together with the buildings thereon and which premises are known as "Kala Kunj" and are assessed under K Ward No. 1380 and 1381 Street Nos. 42 and 43 Mahatma Gandhi Road.

G. A. JAMES

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 16th May 1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
DHARWAR

Dharwar-4, the 12th May 1978

Notice No. 215/78-79/ACQ.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

M. No. 2751 and 2752 situated at Ratnagiri Road, Basavanahally, Chikmagalur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikmagalur under Document No. 1015 on 2-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. V. A. Pinto,
S/o B. Pinto, Rathnagiri Road,
Chikmagalur.

(Transferor)

(2) Dr. J. P. Krishna Gowda,
S/o Shri J. Puttaswamy Gowda,
Joldhal Post, Chikmagalur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R.C.C. Building and site situated at Basavanahally Extension, Chikmagalur, bearing Nos. 2751 and 2752.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 12-5-1978

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No.AP-1780.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Model Town(Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Om Parkash
S/o Shri Girdhari Lal
R/o 473-R, Model Town, Jullundur. (Transferor)
- (2) S/Shri Suraj Parkash and Chand Parkash
Ss/O Shri Hans Raj Chhabra,
R/o 473-R, Model Town, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registration sale Deed No. 3789 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1781.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at
Model Town, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sant Kaur
W/o Prem Singh
516-L, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Sardar Singh
S/o Shri Bhagwan Singh
270-New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Koth as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5131 of November, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1782.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at New Colony, Model Town, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Prof. Sadhu Singh
S/o Shri Labh Singh
V. & P.O. Karyan Teh. Nawanshahar,
Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Singh
S/o Shri Hazara Singh,
ADA-I, C/o D.I.G., C.I.D., Chandigarh.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4710 of October, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Brij Pal Kaur
W/o Shri Harkirt Singh,
M.G.D. Public School, Jaipur,

(Transferor)

(2) Shri Mangal Sain Kumar
S/o Shri Lakhmi Das,
6-Nursury, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property,
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1783.—Whereas, I, B. S. DEHIYA
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. as per Schedule situated at
Model Town, Jullundur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jullundur on September, 1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—
13—96GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No.
4214 of September, 1977 of the Registering Authority,
Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1784.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Buldg. at G.T. Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(7) Shri Khazan Chand Bhalla
S/o Shri Gian Chand
C/o Bawa Filling Station, Tanda Umar,
Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Bhalla
S/o Shri Tirath Ram Bhalla,
371-Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property,

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3886 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref No. AP-1785.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Building at G. T. Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jullundur on September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(7) Shri Khazan Chand Bhalla
S/o Shri Gian Chand
C/o Bawa Filling Station, Tanda Ur
Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Rani Bhalla
W/o Shri Tirath Ram Bhalla,
371-Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3891 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.

Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1786.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Chak-Husaina, Lama Pind, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Bhagtu, 2. Shri Gurbachan Singh
S/o Shri Rala
S/o Shri Devi Chand
R/o Chak-Hussaina, Lama Pind, Jullundur.
(Transferor)
- (2) S/Shri Shiv Inder Charan Singh Tur
S/o Shri Bal Charan Singh,
103-New Jawahar Nagar, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale deed No. 3963 of Sept., 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1787.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Behram Srishta, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurmail Singh
S/o Shri Hazara Singh
2, Shri Gurdev Singh, 3, Joginder Singh,
Vill. Behram Srishta, Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Jagat S/o
Sh. Labh Singh
S/o Hira Singh
Vill. Behram Srishta, Teh. Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above,
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3816 of Sept., 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1788.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Vill. Saipur, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sat Prakash
S/o Shr Pala Ram
Attorney to Smt. Lila Bhari
W/o Shri Sat Prakash,
25-Sadar Bazar, Jullundur Cantt

(Transferor)

- (2) M/s Thakar Engg. Works,
M-5, Industry Area, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

- (4) Any other person interested in the property

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3973 of Sept., 77 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1789.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Basti Nau, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Guru Nanak Public Welfare Trust,
Milap Chowk, Jullundur
(Through Shri Gurbax Singh Adv.)

(Transferor)

- (2) M/s Amrit Sports,
66-Basti Nau, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

- (4) Any other person interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3809 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1790.—Whereas, I. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Near Narindera Cinema, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor of the transferor to pay tax under the 'said Act,' to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghbir Singh Ohri
S/o Shri Natha Singh,
542-Model Town, Jullundur,
G.A. to Smt. Attar Kaur W/o Natha Singh.
(Transferor)
- (2) Shri Dharma Vir
S/o Shri Shanker Dass,
1st Floor, Market New Jawahar Nagar, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 Share of Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3966 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1791.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at
Near Navinder Cinema, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

14—96GI/78

(1) Shri Ram Singh
S/o Shri Natha Singh of Kot Bahadur Khan,
Jullundur at present
Vill. Dabdaba Teh. Bilaspur, Distt. Rampur
(Transferor)

(2) Shri Dharam Vir
S/o Shri Shanker Das
1st Floor, Market New Jawahar Nagar,
Jullundur.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4001 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1792.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at
Near Narindra Cinema, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohinder Singh,
S/o Shri Gian Singh Kot Bahadur Khan,
at present Vill. Dabdaba,
Teh. Bilaspur, Distt. Rampur.

(Transferor)

- (2) Shri Dharamvir
S/o Shanker Dass
1st Floor, Market New Building Nagar,
Jullundur City.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

- (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4002 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1795.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Central Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Krishan Chander Malhi S/o Atma Singh, 70/8, Central Town, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Baldev Mitter Goel S/o Sadhu Ram 54/8-B, Central Town, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3754 of September 1977 of the registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1796.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Beas Pind, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on October 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohinder Singh S/o Bakshish Singh G. A. to Shri Bakshish Singh S/o Shri Banta Singh, Vill. Beas Pind, Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Iqbal Singh S/o Shri Bakshish Singh Vill. Beas Pind, Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4676 of October, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 15-5-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1797.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Beas Pind, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on October 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohinder Singh S/o Shri Bakshish Singh G.A. to Shri Bakshish Singh S/o Shri Banta Singh, Vill. Beas Pind, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Harbhajan Singh S/o Bakshish Singh, Vill. Beas Pind, Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4677 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sadhu Ram S/o Shri Kishori Lal, Malsian, Teh. Nakodar Dist. Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s. Guru Ram Dass Rubber Industries, Preet Nagar, Basti Bhure Khan, Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1798.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Basti Bhure Khan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Jullundur on September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3684 of September 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

P. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 15-5-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1799.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Patel Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Dr. Gurbax Singh Nayyar, 124-L, Model Town, Jullundur.
(Transferor)
(2) M/s. Delhi Punjab Goods Carrier, G. T. Road, Jullundur.
(Transferee)
(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in the registration Sale Deed No 4271 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1800.—Whereas, J. B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhagwanti W/o Shri Bir Singh 76-L, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Salochana Kalhan D/o Tulsi Ram Nauman,
2. Smt. Sita Sharma W/o Prithvi Raj Sharma, 76-R,
Model Town, Jullundur.

(Transferee)

"(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

"(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4145 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15.5.1978

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1801.—Whereas, I, B. S. Desiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vijay Nagar, Pullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harnam Singh S/o Shri Makhan Singh
C/o Makhan Singh, Harnam Singh, New Grain Market, Jullundur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Joginder Pal S/o Duni Chand,
2. Smt. Shanti Devi W/o Shri Joginder Pal,
3. Smt. Ram Piari W/o Shri Duni Chand, 126-Vijay Nagar, Jullundur City.

- *(3) As per S. No. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property).

- *(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registration Deed No. 3686 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1802.—Whereas, I. B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Basti Nau, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Janak Rani W/o Roshan Lal H. No. 130, Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur City. (Transferor)
- (2) Shri Som Nath, Kamal Krishan Ss/o Shri Inder Nath, Basti Nau, Inder Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3944 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1803.—Whereas, I. B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Basti Nau, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Satish Kumar S/o Shri Om Parkash 130-Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Som Nath, Kamal Krishan Ss/o Shri Inder Nath, Basti Nau, Inder Nagar, Jullundur City.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3945 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date . 15-5-1978.

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1804.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. As per Schedule situated at Basti Nau, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kundan Lal S/o Shri Bhag Mal, H. No. 156, G. B. Qazi Mohalla, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Som Nath, Kamal Krishan Ss/o Shri Inder Nath, Basti Nau, Inder Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3949 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1978.

Seal :

FORM ITNS- ----

- (1) Shri Darabshaw Kaikhusharu Adajania,
 (2) Rustomji Hormusji Wadia,
 (3) Zalrir Darabshaw Adajania; Trustees of K. C. Adajania Charitable Trust; Adajania House, 803-B, Dr. Ambedkar Road, Dadar, Bombay-14.

(Transferor)

- (2) Feb-tax Industrial Co-op. Service Society Ltd., 5-184, Haripura, Ruvala Tekra, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th May 1978

Ref. No. P. R. No. 585 Acq. 23-988/19-7/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Rev. Sur. No. 36/1 (Part) and 37/1 (Part) Plot Nos. 3, 4 & 5 situated at Khatodara Industrial Area, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5th September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land bearing S. No. 36/1 paiki Plot Nos. 3, 4 & 5 and 37/1 (Part), situated at Khatodra Industrial Area which fall in Surat City T. P. Scheme No. 6, Final Plot No. 59-C admeasuring 6288 sq. yds. (including 25' wide approach road) as described in the sale deed registered under registration No. 1488 in the month of September, 1977 by the Registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 15th May, 1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th May 1978

Ref. No. P. R. No. 586 Acq. 23-986/19-7/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ward No. 7, Nondh No. 2625 situated at Vayada Sheri, Saiyadpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 1st September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) 1. Shri Champaklal Jamnadas self and P. A. Holder of Shri Jamnadas Bhagwandas, Ravindra Park Society, Adajan Road, Surat.
2. Shri Ratilal Jamnadas;
3. Shri Jayantilal Jamnadas 2 & 3 at 34, Samarpan Society, Rander Road, Surat.

(Transferor)

- (2) Shri Yunus Ahmed Gheewala; P. A. Holder of Gulam Mohmed Adamji Badat—Rampura, Chhoda Ole, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 7, Nondh No. 2625, situated at Vayada Sheri, Saiyedpura, Surat admeasuring 78-59-62 sq. mts. as described in the sale deed registered under registration No. 1712 in the month of September, 1977 or Registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date : 15th May, 1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 15th May 1978

(1) Shri Sat Pal Khanna
S/o Shri Ishwar Dass Khanna
R/o BF/15 Tagore Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Ajmani alias Kamla Devi
W/o Shri Subhash Chander
R/o 2/67 Ramesh Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. Kit Kat Dry Cleaner,
2/67 Ramesh Nagar, New Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Government Built property No. 2/67 constructed on land measuring 184 sq. yds. situated at Ramesh Nagar, New Delhi, and bounded as under :—

North : Passage
South : Property No. 2/68
East : Property No. 2/66
West : Road.N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 15-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 15th May 1978

Ref. No. IAC-Acq.III/SR-II/Sept./1489(25) 77-78.—
Whereas, I, A. L. SUD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. WZ-91/B situated at Village Tatarpur Delhi State Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohd. Hussain
S/o Shri Noor Bux,
R/o WZ-91/B, Village Tatarpur Delhi State,
Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Randhir Singh
S/o Shri Banwari Lal,
R/o WZ-79, of Village Tatarpur Delhi State,
Delhi.
(Transferee)
- (3) M/s. V. P. Plastic Co.,
WZ-91/B, Village Tatarpur Delhi State,
Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. WZ-91/B, measuring 150 sq. yds. situated in the abadi of village Tatarpur Delhi State Delhi and bounded as under :—

North : Remaining portion of property No. WX-91/B, of the Vendor.
South : Blind Colony.
East : Park of D.D.A. Delhi.
West : Road.

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 15-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 15th May 1978

Ref. No. IAC.Acq-III/CR-III/Sept/730/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. L-10 situated at Green Park Extension, New Delhi, plot of land measuring 167 sq. yds. and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 28-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri V. S. Venkataraman
S/o Shri V. Subramaniam Iyer,
B-200, Nanakpura, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Sterling Publishers (Pvt.) Ltd.
BO-A-B/9, Safdarjang Enclave,
New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot bearing No. 10, Block No. 'L', measuring 167 sq. yds. situated in the residential colony known as Green Park Extension and the said plot is bounded as under :—

East : Plot No. L/11
West : Plot No. L/9
North : Dispensary Plot
South : Open

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 15-5-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 15th May 1978

Ref. No. IAC-Acq-III/SR-II/Sept/1493(29)/77-78.—

Whereas, I, A. L. SUD,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

V-320, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mehanga Singh
S/o Shri Dalip Singh
R/o 2131, Prem Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Parveen Gulshan
W/o Shri Gulshan Lal Bhatia,
R/o V-320, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. V-320, measuring 200 sq. yds. Double storey Built, situated in Rajouri Garden New Delhi and bounded as under :—

North : Road
South : House on plot No. V/299
East : House on plot No. V/321
West : House on plot No. V/319

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 15-5-1978

Seal -